पी र जी ऐ नंबर। TGHIN/26/A7665

श्वेता विजन

"नजरिया साफ, खघ्बरें निष्पक्ष"

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 हैदराबाद से प्रकाशित WEB SITE : Shwetha.co.in संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी पुष्ट – 1। अंक – 37। वर्ष – 8। मूल्य – 3रु

नई दिल्ली:अलीगढ़ में दिल दहला देने वाला हिट एंड रन: हॉर्न बजाने के विवाद पर ऑडी कार ने बाइक को कुचला, एक की मौत

2

असमः ब्ड विजिलेंस सेल के कैच की संदिग्ध मौत, होटल के कमरे में मिला शव

बोंगाईगांव (असम): बोंगाईगांव जिले में गुरुवार को एक होटल के कमरे में असम के मुख्यमंत्री की स्पेशल विजिलेंस सेल वे एक पुलिस उपाधीक्षक (वैध) की सड़ी–गली हालत में लाश मिली. पुलिस ने बताया कि खड़गेश्वर राभा (56) बोंगाईगांव शहर के होटल जाह्नवी रीजेंसी के कमरा नंबर 102 में मृत पाए गए.

पुलिस के मुताबिक, डीएसपी राभा ने 18 अक्टूबर को होटल में चेक–इन किया था. अधिकारी ने 20 अक्टूबर की रात को होटल से डिनर ऑर्डर किया था और फिर उनके बारे में कुछ पता नहीं चला और गुरुवार (22 अक्टूबर) को होटल के कमरे में उनकी सड़ी–गली बॉडी मिली.

एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की जांच के बाद, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया.डीएसपी खड़गेश्वर राभा की मौत की खबर मिलने के बाद उनकी पत्नी और बेटा कामरूप जिले के बोको में अपने घर से बोंगाईगांव पहुंच गए हैं. परिवार वालों के अनुसार, राभा कुछ समय से बीमार थे और उनका मेडिकल ट्रीटमेंट चल रहा था.बोंगाईगांव पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल का कमरा किशोर हालोई नाम के एक व्यक्ति ने बुक किया गया था. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ब्ड विजिलेंस ऑफिसर के लिए किसी और ने होटल का कमरा क्यों बुक किया? दुर्गा पूजा की छुट्टियों के दौरान पुलिस ऑफिसर बोको में अपने घर के बजाय दूसरे जिले बोंगाईगांव में क्यों थे? ये सभी पहलू अब पुलिस की जांच में चर्चा का विषय बन गए हैं.मीडिया से बात करते हुए, असम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मृतक खड़गेश्वर राभा का स्वास्थ्य काफी समय से ठीक नहीं थी. क्या उनकी मौत का स्वास्थ्य से कोई संबंध है, यह अभी पता नहीं चल पाया है क्योंकि मौत पर कोई भी नतीजा अंतिम पोस्ट–मॉर्टम रिपोर्ट पर निर्भर करता है.जांच अधिकारी ने यह भी पाया कि मृतक 18 अक्टूबर से होटल के कमरे में रह रहा था और उसने होटल के रजिस्टर के लिए 20 अक्टूबर को आखिरी बार खाना ऑर्डर किया था. अब, स्थिति शक के दायरे

सोनिया गांधी का इंस्टाग्राम पर डेब्यू, अपनी आने वाली किताब का फर्स्ट लुक साझा किया

नई दिल्लीः कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर डेब्यू किया और अपनी आने वाली किताब के बारे में पहला पोस्ट साझा किया. उन्होंने अपनी किताब को ''प्यार, कर्तव्य, नुकसान और अपनेपन की जगह खोजने की कहानी'' के रूप में वर्णित किया. सोनिया गांधी ने अपनी किताब 'ठमसवदहपदहः । श्रवनतदमल व िस्वअम' की एक प्रति हाथ में लिए हुए अपना वीडियो भी साझा किया.

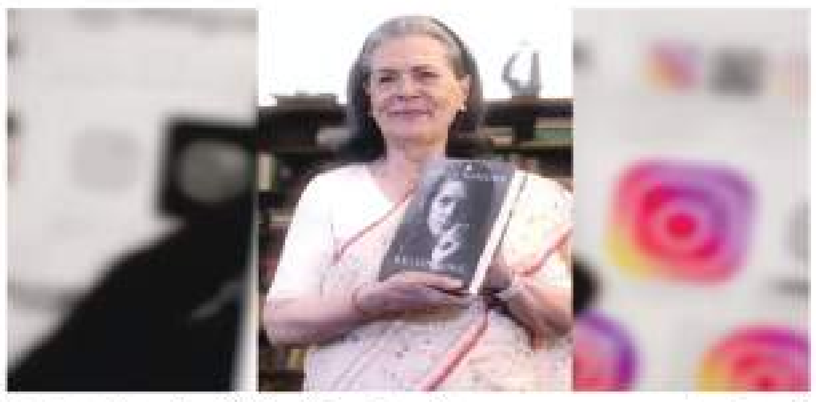

उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में कहा, ''सभी को नमस्कार, मैं आप सभी के साथ इस पल को साझा करने के लिए वास्तव में बहुत आभारी हूंय ठमसवदहपदहः । श्रवनतदमल व िस्वअम की पहली झलक. यह प्यार, कर्तव्य, नुकसान और अपनेपन की जगह पाने की कहानी है. मैं इसे आपके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं.''वीडियो में, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गांधी को अपनी किताब की पहली प्रति प्राप्त करते हुए और इस अवसर पर अपनी बेटी प्रियंका गांधी के साथ मिठाई खाते करते हुए देखा जा सकता है.सोनिया गांधी ने बताया कि किताब में बहुत सारी तस्वीरें हैं.

पिछले महीने हार्पर कॉलिंस इंडिया ने कहा था कि यह 10 नवंबर को भारत में सोनिया गांधी का संस्मरण ''बिला. ंगिगः ए जर्नी ऑफ लव'' प्रकाशित करेगा, क्योंकि लेखक के प्रतिनिधियों और पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के बीच ''गतिरोध'' के बाद भारत में घरेलू प्रकाशन को लेकर बनी अनिश्चितता खत्म हो गई.

हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने एक बयान में कहा था, ''हमारे समय के सबसे प्रतीक्षित राजनीतिक संस्मरणों में से एक, 'बिलॉन्गिंग' प्रेम, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक नाटकीय और बेहद व्यक्तिगत कहानी है, जो भारत की यात्रा का एक दुर्लभ अंदरूनी दृष्टिकोण पेश करती है.''

हार्पर कॉलिन्स इंडिया की घोषणा, पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (च्त्भ्) से जुड़े एक विवाद के बाद आई. पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया शुरू में इस संस्मरण (उमउवपत) को प्रकाशित करने का इच्छुक था, लेकिन बाद में उसने कहा कि वह इसका भारतीय प्रकाशक नहीं होगा. यह विवाद पांडुलिपि (उंदनेबतपचज) में संपादकीय बदलावों को लेकर प्रकाशक और लेखक के प्रतिनिधियों के बीच मतभेदों की खबरों के बीच शुरू हुआ था.

मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट पर चुनाव का एलान, स्मृति इरानी के साथ ये नेता भी दौड़ में

भोपालः पूर्व केन्द्रीय मंत्री एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद अब मध्य प्रदेश राज्यसभा की एक सीट पर उपचुनाव का एलान कर दिया गया है. भारत निर्वाचन आयोग ने आज यानि गुरुवार को पूरा चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है. हालांकि अभी स्पष्ट नहीं है कि इस सीट से बीजेपी का कौन सा नेता राज्यसभा में एंट्री करेगा, लेकिन सियासी हल्कों में इस सीट से आंध्र प्रदेश में बीजेपी की सह प्रभारी तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाली वंथी श्रीनिवासन और पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी का नाम सुर्खियों में है. घोषित हुए कार्यक्रम के मुताबिक 12 नवंबर तक मतदान के साथ राज्यसभा कौन जाएगा ये तस्वीर साफ हो जाएगी.केन्द्रीय मंत्री पद से एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट को चुनाव आयोग

का निर्वाचन कार्यक्रम घोषित होने के साथ अब निगाहें इस पर हैं कि इस सीट से कौन राज्यसभा जाएगा. चूंकि हाल में हुए राज्यसभा चुनाव में दो सीटों पर प्रदेश स्तर से नेताओं को अवसर दिया गया. इसलिए पूरी संभावना है कि इस एक सीट पर राष्ट्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े नेता का नाम बढ़ा सकता है. संभावना जताई जा रही है कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी को भी मध्य प्रदेश के कोटे से राज्यसभा में भेजा जा सकता है. दूसरा नाम पार्टी की महिला नेत्री वंथी श्रीनिवासन का भी बताया जा रहा है. वहीं मध्य प्रदेश से जो नाम हैं, उनमें पिछले राज्यसभा चुनाव में जिनका नाम चला था पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया इस दौड़ में बताए जा रहे हैं. इनके अलावा राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक आशीष अग्रवाल का भी इस सीट के लिए नाम चर्चा में हैं.

राज्यसभा उपचुनाव का जो कार्यक्रम जारी किया गया है. उसके मुताबिक 26 अक्टूबर को चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी होगा. नामांकन की आखिरी तारीख 2 नवंबर रखी गई है. नामों की छंटनी 3 नवंबर तक हो

मोदी और टस्क ने भारत–पोलैंड रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प लिया

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के उनके समकक्ष डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को नई दिल्ली में व्यापक बातचीत की और दोनों नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के बीच दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का गुरुवार को संकल्प लिया. साथ ही रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर सहमति जताई.

यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए वैश्विक स्तर पर फिर से जोर दिए जाने के बीच, टस्क तीन दिवसीय भारत यात्रा पर हैं.वार्ता के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के शासन में विश्वास रखते हैं. उन्होंने कहा कि भारत, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में शांति लाने के हर सार्थक प्रयास का समर्थन करता रहेगा.पीएम मोदी ने कहा, ''आज हम रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में अपने संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर सहमत हुए. हम पोलैंड की कंपनियों को आमंत्रित करते हैं कि वे इन सभी रणनीतिक क्षेत्रों में भारत के साथ मिलकर सह–विकास और सह–उत्पादन के काम में शामिल हों. महत्वपूर्ण खनिजों और कोयला गैसीकरण के क्षेत्र में भी, हम पोलैंड की विशेषज्ञता के साथ नई साझेदारियां बनाएंगे.''उन्होंने कहा कि भारत और पोलैंड के बीच मित्रता न सिर्फ राजनयिक संबंधों पर, बल्कि मानवता और करुणा की साझा विरासत पर भी आधारित है. उन्होंने कहा, ''द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जामनगर और कोल्हापुर के राजघरानों ने भारत में पोलैंड के हजारों बच्चों और परिवारों को आश्रय दिया था. पोलैंड ने भी 2022 में यूक्रेन से हमारे छात्रों की सुरक्षित वापसी में मदद करके मानवता की इसी भावना का परिचय दिया.''प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा, ''दुनिया अनिश्चितता और बदलाव के दौर से गुजर रही है. ऐसे समयोदी ने कहा कि दोनों देशों की बढ़ती आर्थिक ताकत ने भारत–पोलैंड साझेदारी के लिए नए अवसर पैदा किए हैं. उन्होंने कहा कि भारत–यूरा में भी, भारत और पोलैंड, दोनों ही विकास, प्रौद्योगिकी और नवाचार के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहे हैं.''

मेपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते ने इन अवसरों को और बढ़ा दिया है. लागू होने पर, यह समझौता भारत से पोलैंड को मशीनरी, रसायन, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात के लिए नये अवसर खोलेगा. इसके अलावा, हम रेलवे और आवाजाही, अत्याधुनिक विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में पोलैंड से नया निवेश लाएंगे.उन्होंने इस बात पर भी भरोसा जताया कि भारत और पोलैंड मिलकर दुनिया के लिए भरोसेमंद सप्लाई चेन विकसित करेंगे, और 2030 तक द्विपक्षीय वेदी ने कहा कि दोनों देशों की बढ़ती आर्थिक ताकत ने भारत–पोलैंड साझेदारी के लिए नए अवसर पैदा किए हैं. उन्होंने कहा कि भारत–यूरायापार को दोगुना करने के साझा लक्ष्य को भी हासिल करेंगे.

'वोट बचाओ, देश बचाओ' : रामलीला मैदान में 'इंडिया' गठबंधन की मेगा रैली, कांग्रेस की पूरी तैयारी

नई दिल्ली : कांग्रेस, उत्तर प्रदेश और हरियाणा की अपनी इकाइयों के साथ समन्वय कर रही है. दिल्ली से सटे इन राज्यों को एक नवंबर को रामल. 'ला मैदान में होने वाले विपक्ष के शक्ति प्रदर्शन के लिए भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी दी गई है विपक्षी गठबंधन इंडिया की मुख्य धुरी होने के नाते, कांग्रेस इस रैली के लिए समर्थन जुटाने में सबसे आगे है. हाल ही में इसी गठबंधन ने दिल्ली की सड़कों पर केंद्र सरकार को चुनौती दी थी और तब से वे अलग–अलग राज्यों में इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं.पार्टी सूत्रों के अनुसार, गठबंधन के अन्य सदस्य भी इस रैली में अपने समर्थकों को लेकर आ सकते हैं.

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल 23 अक्टूबर को हरियाणा इकाई के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ एक नवंबर की रैली की तैयारियों की समीक्षा करेंगे. उन्होंने कहा कि हरियाणा ने अतीत में भी इस तरह के आयोजनों में अहम भूमिका निभाई है और इस बार भी वह अपनी उसी परंपरा को कायम रखेगा. एआईसीसी के हरियाणा प्रभारी सचिव जितेंद्र बघेल ने ईटीवी भारत को बताया, ''इस उद्देश्य के लिए 23 अक्टूबर को एक बैठक बुलाई गई है. इसमें राज्य के सभी वरिष्ठ नेता, और वर्तमान व पूर्व विधायक शामिल होंगे. हमने अपने राज्य में वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान शुरू किया है. हम वोट चोरी के इस मुद्दे को ब्लॉक स्तर तक ले जाएंगे. जहां तक घ्लोगों को जुटाने की बात है, हरियाणा इकाई ने हमेशा बड़ी भूमिका निभाई है और एक नवंबर की रैली के लिए भी ऐसा ही करेगी. हमें उम्मीद है कि उस दिन रामलीला मैदान पूरी तरह से खचाखच भरा होगा.''

उत्तर प्रदेश और हरियाणा की इकाइयों से इस रैली में सबसे अधिक योगदान की उम्मीद है, क्योंकि सड़क मार्ग से लोगों को दिल्ली लाना आसान है. अन्य राज्यों की इकाइयों से भी दिल्ली रैली में सहयोग की अपेक्षा है, ठीक वैसे ही जैसे हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में हुए विरोध प्रदर्शनों में देश भर के वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे. इन प्रदर्शनों का नेतृत्व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने किया था.बुधवार को, एआईसीसी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश इकाई ने भी दिल्ली में होने वाले इस आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी योजनाओं की समीक्षा की.

राजेंद्र पाल गौतम ने ईटीवी भारत को बताया, ''दिल्ली में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों में यूपी टीम ने एक बड़ा जत्था भेजा था. 1 नवंबर की रैली के लिए हम और भी बड़ी संख्या में लोगों को जुटाएंगे, जो एसआईआर के खिलाफ इंडिया गठबंधन की एकजुटता का प्रदर्शन होगी. हम बड़े पैमाने पर जनसंपर्क करेंगे और लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे, ताकि, कांग्रेस की विचारधारा, जनहित के मुद्दों और आम लोगों की आवाज को हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सके.''

एआईसीसी के एक पदाधिकारी ने बताया कि पार्टी राज्य के लोगों से अपील कर रही है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम और अन्य विवरण जांच लें. अगर कोई बदलाव या गड़बड़ी मिलती है, तो तुरंत संबंधित चुनाव अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराएं.पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राजस्थान इकाई से भी बड़ा योगदान मिलने की उम्मीद है, क्योंकि वहां कांग्रेस की एक मजबूत टीम है. राजस्थान के लिए एआईसीसी के प्रभारी सचिव ऋत्विक मकवाना ने बताया कि राज्य के वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था, लेकिन 1 नवंबर को राज्य से और भी बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंचेंगे. मकवाना ने ईटीवी भारत से कहा, ''यह पार्टी और विपक्ष, दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है. हमारे कुछ नेताओं ने दिल्ली में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया था, लेकिन इस बार संख्या काफी अधिक होगी. एक नवंबर की रैली को सफल बनाने के लिए जल्द ही राज्य के

श्वेता विजन
सच देखे । सही दिखाए

जयशंकर भूपालपल्ली जिले की च्ड्झ्रैल 2.0, भागीरथीपेट परियोजना के दो लोक सेवकों को ।ब्ठ ने गिरफ्तार किया

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो

च्ड्झ्रैल 2.0, भागीरथीपेट परियोजना के प्रोजेक्ट ऑफिसर श्री सतीश रेड्डी (।⁄–1) और टेक्निकल ऑफिसर श्री राजू (।⁄–2) के खिलाफ आपराधिक कदाचार का मामला दर्ज किया गया है। यह मामला ।ब्ठ, वारंगल रेंज के तहत ब्त. छव. 12⁄ल्ब्–।ब्ठ–ॅळस्⁄2026 (दिनांक 14.10.2026) के रूप में दर्ज हुआ है।यह मामला इस आरोप से जुड़ा है कि आरोपी अधिकारियों ने च्ड्झ्रैल 2.0 योजना के तहत किए गए कार्यों के बिल पास करने और आगे के काम आवंटित करने के बदले एक ठेकेदार से अवैध रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता का आरो.`प है कि अधिकारियों ने बिल की कुल राशि का 10ः से 25ः तक रिश्वत मांगी और धमकी दी कि अगर यह रकम नहीं दी गई, तो पेंडिंग बिल पास नहीं किए जाएंगे और आगे कोई काम भी नहीं दिया जाएगा।शिकायत और ।ब्ठ द्वारा की गई जांच के अनुसार, आरोपी अधिकारियों द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों⁄न्च्प् खातों में कुल 39,17,000 रुपये ट्रांसफर किए गए। शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों के समर्थन में बैंक स्टेटमेंट और व्हाट्सएप चैट रिकॉर्ड भी पेश किए हैं। इसके अलावा, ।⁄–1 ने और कामों की माप दर्ज करने और लंबित बिलों को प्रोसेस करने के लिए, सातवें बिल से जुड़ी राशि का अतिरिक्त 25ः हिस्सा मांगा।

रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री और सक्षम प्राधिकारी से मिली अनुमति के आधार पर, 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988' (2018 में संशोधित) की धारा 7(), 7(इ) और 13(1)(इ) के साथ धारा 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।दोनों आरोपी अधिकारियों, ।⁄–1 श्री सतीश रेड्डी और ।⁄–2 श्री राजू को ।ब्ठ, वारंगल रेंज ने 22.10.2026 को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें न्यायिक रिमांड के लिए वारंगल स्थित ैच्म् और ।ब्ठ मामलों की विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की आगे की जांच जारी है।

सेल फोन नंबर – 1064 (टोल–फ्री नंबर)

यदि कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है, तो आम जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए ।ब्ठ के टोल–फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। ।ब्ठ, तेलंगाना से व्हाट्सएप (9440446106), फेसबुक (ज्मसंदहंद ।ब्ठ) और ग (पूर्व में ट्विटर) (ज्मसंदहंद ।ब्ठ) के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है। ।ब्ठ, तेलंगाना से संपर्क करने के लिए इसका फत कोड सभी सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर लगाया गया है। शिकायतकर्ता⁄पीड़ित का नाम और विवरण गुप्त रखा जाएगा।ब्द,एंटी–करप्शन ब्यूरो (।ब्ठ), तेलंगाना, हैदराबाद।

95 साल के बुजुर्ग पिता को बार–बार रुलाया और आखिर में उठाया ये खौफनाक कदम

भरुच : गुजरात के भरूच में एक व्यक्ति को अपने 95 वर्षीय पिता की पत्थर मारकर हत्या करने और फिर उनके शव को जलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. यह घटना बुजुर्ग की देखभाल को लेकर हुए पारिवारिक विवाद के बाद हुई.आरोप है कि उसने अपने पिता पर हमला किया, शव पर पेट्रोल डाला और सबूत मिटाने के लिए उसे गांव की नहर के पास एक सुनसान खेत में जला दिया इस घटना के बाद, जिले की लोकल क्राइम ब्रांच ने मृतक के बेटे, मुश्ताक पटेल उर्फ छ्थ्अली को गिरफ्तार कर लिया.पुलिस ने बताया कि यह हत्या तब सामने आई, जब 19 अक्टूबर को बुजुर्ग मोहम्मद यूसुफ पटेल उर्फ घ्ङ्सप का आधा नग्न और जला हुआ शव मिला.

पुलिस के अनुसार, ''शव के अवशेष अमोद तालुका क्षेत्र में इखार गांव से मेशराद गांव की ओर जाने वाली नहर के किनारे, खेत की बाड़ के पास बबूल की झाड़ियों में छिपे हुए मिले थे.''शव मिलने के बाद, अमोद पुलिस स्टेशन की एक टीम ने शुरुआत में इसे दुर्घटना से हुई मौत के रूप में दर्ज किया था. लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद, मामले को हत्या की जांच और सबूत मिटाने के अपराध में बदल दिया गया.पुलिस ने बताया, ''पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच से पता चला कि बुजुर्ग को आग लगाने से पहले गंभीर शारीरिक चोटें पहुंचाई गई थीं. इसलिए, इस मामले को आधिकारिक तौर पर हत्या के मामले में बदल दिया गया. ''अमोद–जंबूसर डिवीजन के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस पी.एल. चौधरी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी डेटा और इखार गांव के मुखबिरों की मदद से बेटे को संदिग्ध के रूप में पहचाना.

उन्होंने बताया, ''इस हत्या के पीछे का मुख्य कारण घर के अंदर चल रहा आपसी कलह है. बुजुर्ग पीड़ित अक्सर गांव वालों के पास जाकर पैसे मांगता था. उसका कहना था कि उसके बेटे न तो उसकी ठीक से देखभाल कर रहे हैं और न ही उसके इलाज का खर्च उठा रहे हैं.''

चौधरी ने कहा कि पिता की इन हरकतों की वजह से बेटों को सबके सामने शर्मिंदगारी पत्थरों से बुजुर्ग के सिर पर कई वार किए. फिर उसने शव पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी.'' गिरफ्तारी के दौरान, पुलिस ने आरोपी के पास से 13,150 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया. जांचकर्ताओं ने वह पत्थर भी ढूंढ निकाला जिसका इस्तेमाल हमले में किया गया था,ी उठानी पड़ती थी, जिसके चलते घर में अक्सर झगड़े होते थे. डीएसपी ने ब्रीफिंग में बताया, ''इस स्थिति से तंग आकर आरोपी ने अपने पिता की हत्या करने का फैसला किया.'' उनके अनुसार, आरोपी अपने पिता

को कहीं साथ घूमने के बहाने घर से बाहर ले गया. इसके बाद वह बुजुर्ग को गांव की नहर के किनारे एक सुनसान खेत में ले गया.

चौधरी ने बताया, ''वहां अकेले पाकर, आरोपी ने भारी पत्थरों से बुजुर्ग के सिर पर कई वार किए. फिर उसने शव पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी.'' गिरफ्तारी के दौरान, पुलिस ने आरोपी के पास से 13,150 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया.जांचकर्ताओं ने वह पत्थर भी ढूंढ निकाला जिसका इस्तेमाल हमले में किया गया था, साथ ही पेट्रोल वाली खाली बोतल भी बरामद कर ली.डीएसपी ने आगे बताया, ''कानूनी कार्रवाई को मजबूत करने के लिए, आमोद पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की एक विशेष टीम आरोपी को वापस नहर के किनारे ले गई, ताकि अपराध के घटनाक्रम को फिर से दोहराया जा सके. इस प्रक्रिया को देखने के लिए इखार गांव

चौधरी ने बताया, ''वहां अकेले पाकर, आरोपी ने भारी पत्थरों से बुजुर्ग के सिर पर कई वार किए. फिर उसने शव पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी.'' गिरफ्तारी के दौरान, पुलिस ने आरोपी के पास से 13,150 रुपये नकद और एक मोबा

चौधरी ने बताया, ''वहां अकेले पाकर, आरोपी ने भारी पत्थरों से बुजुर्ग के सिर पर कई वार किए. फिर उसने शव पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी.'' गिरफ्तारी के दौरान, पुलिस ने आरोपी के पास से 13,150 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया.जांचकर्ताओं ने वह पत्थर भी ढूंढ निकाला जिसका इस्तेमाल हमले में किया गया था, साथ ही पेट्रोल वाली खाली बोतल भी बरामद कर ली.डीएसपी ने आगे बताया, ''कानूनी कार्रवाई को मजबूत करने के लिए, आमोद पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की एक विशेष टीम आरोपी को वापस नहर के किनारे ले गई, ताकि अपराध के घटनाक्रम को फिर से दोहराया जा सके. इस प्रक्रिया को देखने के लिए इखार गांव के काफी लोग वहां जमा हो गए थे.''इल फोन बरामद किया. जांचकर्ताओं ने वह पत्थर भी ढूंढ निकाला जिसका इस्तेमाल हमले में किया गया था, साथ ही पेट्रोल वाली खाली बोतल भी बरामद कर ली.डीएसपी ने आगे बताया, ''कानूनी कार्रवाई को मजबूत करने के लिए, आमोद पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की एक विशेष टीम आरोपी को वापस नहर के किनारे ले गई, ताकि अपराध के घटनाक्रम को फिर से दोहराया जा सके. इस प्रक्रिया को देखने के लिए इखार गांव के काफी लोग वहां जमा हो गए थे.''के काफी लोग वहां जमा हो गए थे.''

नई दिल्ली:अलीगढ़ में दिल दहला देने वाला हिट एंड रनः हॉर्न बजाने के विवाद पर ऑडी कार ने बाइक को कुचला, एक की मौत

अलीगढ़ः उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है. बन्नादेवी थाना क्षेत्र के सारसौल में हरीपर्ल गेस्ट हाउस के पास 20 अक्टूबर की रात एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी. इस दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया.

विवाद के बाद जानबूझकर गाड़ी चढ़ाने का गंभीर आरोपः घायल युवक कन्हैया ने पुलिस को बताया कि यह कोई सामान्य सड़क हादसा नहीं बल्कि सोची–समझी साजिश थी. दरअसल, रास्ते में हॉर्न बजाने को लेकर ऑडी सवारों के साथ बाइक सवारों की कहासुनी और विवाद हो गया था. इसके बाद गुस्से में आकर ऑडी चालक ने जानबूझकर पीछे से उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर लगते ही मनोज सड़क पर गिर गया और आरोप है कि चालक ने उसके ऊपर से गाड़ी गुजार दी.

उत्तराखंड नंबर की है ऑडी, भाजपा नेता से जुड़ रहा नामः इस हादसे में नगरिया निवासी मनोज की जान चली गई, वहीं कन्हैया का अस्पताल में इलाज चल रहा है. जिस ऑडी कार से यह वारदात हुई, वह उत्तराखंड नंबर की बताई जा रही है. शुरुआती छानबीन में यह गाड़ी भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष देवराज सिंह से जुड़ी हुई सामने आ रही है. हालांकि, घटना के वक्त गाड़ी के अंदर कौन–कौन लोग मौजूद थे और स्टीयरिंग किसके हाथ में थी, इसकी जांच पुलिस कर रही है.गुस्साए लोगों ने कार रोकने के लिए फेंके थे पत्थरः वारदात की रात जब यह खौफनाक मंजर स्थानीय लोगों ने देखा तो उनके रोंगटे खड़े हो गए. भीड़ ने तुरंत कार को रोकने की कोशिश की और कुछ लोगों ने आक्रोश में आकर गाड़ी पर पत्थर भी फेंके. इसके बावजूद चालक गाड़ी भगाने में कामयाब रहा, जिसका पूरा क्रम सीसीटीवी में कैद हो गया है. पुलिस ने उस अहम सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित कर लिया है और चश्मदीदों के बयान दर्ज कर रही है.पुलिस की दबिश, आरोपियों की जल्द होगी गिरफ्तारीः नगर पुलिस अधीक्षक आदित्य बंसल ने बताया कि बन्नादेवी थाने में इस मामले की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. घटनास्थल पर पहुंचकर फील्ड यूनिट ने सभी जरूरी तकनीकी साक्ष्य जुटाए हैं और ऑडी कार को कब्जे में ले लिया है. पुलिस ने कार चलाने वाले की पहचान भी कर ली है और आरो. पियों को दबोचने के लिए विशेष टीमें बना दी हैं. पुलिस का कहना है कि पुख्ता सुबूतों के आधार पर आरोपियों पर बहुत जल्द सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

अंकिता भंडारी मर्डर केस में इंडिया गेट पर धरना दे रहे उसके माता–पिता पुलिस हिरासत से रिहा, कई कांग्रेसी नेता अभी भी डिटेन

नई दिल्लीः उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी के लिए इंसाफ की लड़ाई में धरने पर बैठे अंकिता के माता–पिता को पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद अब छोड़ दिया है। कल रात दिल्ली पुलिस ने इंडिया गेट के पास धरने पर बैठे अंकिता भंडारी के माता पिता के साथ कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। बाद में पुलिस ने अंकिता के माता पिता को छोड़ दिया। कांग्रेस के कुछ नेताओं को पुलिस ने अभी हिरासत में रखा है। दरअसल, बुधवार अंकिता के माता–पिता इंडिया गेट में धरने पर बैठ गए थे। देखते ही देखते कांग्रेस नेताओं ने इस पर सियासत शुरू कर दी। मोदी सरकार और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कई घंटों तक कांग्रेसी नेता नारेबाजी करते रहे। इसके बाद देर रात पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स ने कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और अंकिता के माता पिता को हिरासत में लिया था। रातभर चला धरना प्रदर्शनजानकारी के अनुसार, कांग्रेसी नेताओं के साथ अंकिता भंडारी के माता–पिता ने रात भर इंडिया गेट पर धरना प्रदर्शन किया। सुबह करीब चार बजे सभी को हिरासत में ले लिया गया। कांग्रेस ने पुलिस के इस कदम की कड़ी निंदा की। कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शनकारियों क

इससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस ड्ड प्रियंका गांधी ने धरने के दौरान अंकिता के माता–पिता से मुलाकात की। बता दें कि अंकिता भंडारी उत्तराखंड के एक रिसॉर्ट में काम करती थी। उसकी सितंबर 2022 में हत्या कर दी गई थी। उसकी लाश उसी साल 24 सितंबर को चिल्ला नहर से मिली थी। रिसॉर्ट के मालिक पुलि. कत आर्य और दो कर्मचारियों, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को 30 मई, 2025 को हत्या, सबूत मिटाने और दूसरे अपराधों के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। साथ बदसलूकी करने और अंकिता के लिए न्याय की मांग करने वालों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। अंकिता के परिजनों ने कहा कि अगर न्याय नहीं मिला, तो मेरी बेटी को न्याय मिलने तक पूरे देश में विरोध प्रदर्शन होंगे। सितंबर 2022 में हुई थी अंकिता की हत्याइससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस ड्ड प्रियंका गांधी ने धरने के दौरान अंकिता के माता–पिता से मुलाकात की। बता दें कि अंकिता भंडारी उत्तराखंड के एक रिसॉर्ट में काम करती थी। उसकी सितंबर 2022 में हत्या कर दी गई थी। उसकी लाश उसी साल 24 सितंबर को चिल्ला नहर से मिली थी। रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और दो कर्मचारियों, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को 30

श्वेता विजन
सच देखें | सही दिखाए

रेलवे की दिवाली सौगातः प्रयागराज, अहमदाबाद और नागपुर से चलेंगी विशेष ट्रेनें

कानपुरः आगामी त्योहारी सीजन दिवाली और छठ पूजा में यात्रियों की होने वाली भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं. यात्रियों की सहूलियत के लिए प्रयागराज से असारवा, अहमदाबाद से मालदा टाउन और नाग. पुर से समस्तीपुर के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है. इससे उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले मुसाफिरों को काफी सहूलियत मिलेगी. इसके साथ ही घाटमपुर में रेलवे क्रासिंग पर मरम्मत कार्य के चलते अस्थायी रूप से रूट डायवर्जन भी किया गया है.नागपुर–समस्तीपुर विशेष ट्रेन का शेड्यूलः ट्रेन संख्या 0120(नाग. पुर–समस्तीपुर) यह साप्ताहिक विशेष ट्रेन 21 अक्टूबर से 11 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को नाग. पुर से सुबह 10:40 बजे रवाना होगी.अगले दिन सुबह 4:40 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी और उसी दिन रात 11:45 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 01208 (समस्तीपुर–नागपुर) वापसी में यह ट्रेन 23 अक्टूबर से 13 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को समस्तीपुर से रात 3:00 बजे चलेगी. शाम 5:45 बजे कानपुर सेंट्रल होते हुए शनिवार सुबह 11:30 बजे नागपुर पहुंचेगी.अधिकारियों के मुताबिक, त्योहारी सीजन में ट्रेनों में उमड़ने वाली भारी भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार स्पेशल ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई जा रही है. त्योहारों के दौरान किसी भी यात्री को सफर में परेशानी न हो, इसके लिए विभिन्न रूटों पर अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं.– डॉ. शिवम शर्मा, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवेप्रयागराज–असारवा स्पेशल ट्रेन का समयः ट्रेन संख्या 04165(प्रयागराज–असारवा) यह ट्रेन 21 पेशल का परिचालनः ट्रेन संख्या 09401 (अहमदाबाद–मालदा टाउन) यह स्पेशल ट्रेन 21, 28 अक्टूबर तथा 4, 11, 18, 25 नवंबर (प्रत्येक बुधवार) को अहमदाबाद से दोपहर 3:30 बजे रवाना होगी. दूसरे दिन सुबह 7:50 बजे गोविंदपुरी और उसके अगले दिन सुबह 10:00 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 09402 (मालदा टाउन–अहमदाबाद) वापसी में यह ट्रेन 16, 23, 30 अक्टूबर तथा 6, 13, 20, 27 नवंबर (प्रत्येक शुक्रवार) को मालदा टाउन से शाम 6:10 बजे चलेगी.अगले दिन शाम 4:35 बजे गोविंदपुरी और उसके बाद दोपहर 1:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी.बंद रहेगी आनूपुर–बरीपाल रेलवे क्रासिंगः घाटमपुर में आनूपुर से बरीपाल जाने वाले मार्ग पर हमीरपुर रोड–यमुना साउथ बैंक रेल सेक्शन के बीच स्थित रेलवे क्रासिंग संख्या 48 पर मरम्मत का काम किया जाना है. इस कारण यह क्रासिंग 20 अक्टूबर सुबह 8:00 बजे से 30 अक्टूबर शाम 6:00 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगी. रेलवे प्रशासन का कहना है कि,इस दौरान आम जनता और वाहनों के आवागमन के लिए रेलवे क्रासिंग संख्या 46 और 50 से वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की गई है. से 25 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को प्रयागराज से सुबह 5:00 बजे रवाना होगी. सुबह 8:05 बजे कानपुर सेंट्रल और अगले दिन सुबह 5:45 बजे असार04165(प्रयागराज–असारवा) यह ट्रेन 21 पेशल का वा पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 04166 (असारवा–प्रयागराज) वापसी दिशा में 22 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को यह ट्रेन असारवा से सुबह 8:45 बजे चलेगी.अगले दिन सुबह 4:40 बजे कानपुर सेंट्रल और सुबह 10:35 बजे प्रयागराज पहुंचेगी.अहमदाबाद–मालदा टाउन स्पेशल का परिचालनः ट्रेन संख्या 09401 (अहमदाबाद–मालदा टाउन) यह स्पेशल ट्रेन 21, 28 अक्टूबर तथा 4, 11, 18, 25 नवंबर (प्रत्येक बुधवार) को अहमदाबाद से दोपहर 3:30 बजे रवाना होगी. दूसरे दिन सुबह 7:50 बजे गोविंदपुरी और उसके अगले दिन सुबह 10:00 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 09402 (मालदा टाउन–अहमदाबाद) वापसी में यह ट्रेन 16, 23, 30 अक्टूबर तथा 6, 13, 20, 27 नवंबर (प्रत्येक शुक्रवार) को मालदा टाउन से शाम 6:10 बजे चलेगी.अगले दिन शाम 4:35 बजे गोविंदपुरी और उसके बाद दोपहर 1:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी. बंद रहेगी आनूपुर–बरीपाल रेलवे क्रासिंगः घाटमपुर में आनूपुर04165(प्रयागराज–असारवा) यह ट्रेन 21 पेशल का से बरीपाल जाने वाले मार्ग पर हमीरपुर रोड–यमु04165(प्रयागराज–असारवा) यह ट्रेन 21 पेशल का ना साउथ बैंक रेल सेक्शन के बीच स्थित रेलवे क्रासिंग संख्या 48 पर मरम्मत का काम किया जाना है. इस कारण यह क्रासिंग 20 अक्टूबर सुबह 8:00 बजे से 30 अक्टूबर शाम 6:00 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगी. रेलवे प्रशासन का कहना है कि,इस दौरान आम जनता और वाहनों के आवागमन के लिए रेलवे क्रासिंग संख्या 46 और 50 से वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की गई है.

एसएफजे और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बीच वर्चस्व की लड़ाई, कनाडा में पन्नू ने खोला नया मोर्चा

नई दिल्ली : खालिस्तान समर्थक संगठन सिख्स फॉर जस्टिस और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के बीच टकराव ने एक नया मोड़ ले लिया है. एसएफजे ने कनाडा के एक हिंदू मंदिर में इस गिरोह का महिमामंडन किए जाने का हवाला देते हुए, वहां भारतीय कांसुलर अधिकारियों की वापसी का विरोध किया है.मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाकर की गई हालिया गोलीबारी की घटना के बाद, इस गिरोह की गतिविधियों की फिर से जांच शुरू हो गई है. एसएफजे के जनरल काउंसल गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी और न्याय मंत्री सीन फ्रेजर को एक पत्र लिखा है. इसमें उन्होंने 15 नवंबर, 2026 को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में आयोजित होने वाले भारतीय कांसुलर कैंप की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं.इस पत्र की एक प्रति ईटीवी भारत के पास मौजूद है.

इसमें आरोप लगाया गया है कि 3 नवंबर, 2024 को इसी मंदिर में आयोजित एक कांसुलर कैंप के दौरान, मंदिर के कुछ सदस्यों ने "लॉरेंस बिश्नोई जिंदाबाद" के नारे लगाए और खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ताओं पर हमला किया. पन्नू ने यह भी आरो.

प लगाया कि मंदिर के एक पुजारी ने सिख कार्यकर्ताओं पर हमले के लिए उकसाया, जिसके बाद मंदिर के सदस्य गुरुद्वारा माल्टन साहिब की ओर बढ़ गए. इससे टकराव और बढ़ गया.

टाइगर श्रॉफ की घटना के बाद गिरोह की गति. विधियों की फिर से जांच शुरू – मुंबई के जुहू इलाके में 18 अक्टूबर को टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई गोलीबारी के बाद, बिश्नोई का जिक्र काफी अहम हो गया है. गिरोह ने अपने एक साथी के नाम से जारी एक कथित ऑडियो मैसेज के जरिए इस हमले की जिम्मेदारी ली है और अभिनेता सलमान खान से जुड़े लोगों पर आगे भी हमले करने की धमकी दी है.

पुलिस ने कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और इस हमले के पीछे के कथित नेटवर्क की जांच जारी रखी है. इस घटना ने गिरोह के उस कथित तौर–तरीके पर फिर से ध्यान खींचा है, जिसमें वे चुन–चुनकर हिंसा करते हैं, सार्वजनिक रूप से जिम्मेदारी लेते हैं और जानी–मानी हस्तियों को डराने–धमकाने के लिए धमकियां देते हैं.ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में लगे कथित नारों के आधार पर, एसएफजे ने कांसुलर कैंप की और अधिक बारीकी से जांच करने की मांग की है.

निज्जर की हत्या से मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है – यह विवाद 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में सिख अलगाववादी नेता और घोषित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से भी जुड़ा है.जुलाई 2026 में, अमे. रिकी अभियोजकों ने लॉरेंस बिश्नोई और उत्तरी अमेरिका में उसके कथित सहयोगी गोल्डी बराड़ पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया. आरोप पत्र में कहा गया है कि इस घटना

मामले में अब तक कुल 7 गिरफ्तारियां की गई हैं. छप्। आरोपियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है.

सहारनपुर : पंजाब नेशनल बैंक (च्छ्ठ) की करेंसी चेस्ट में 17 करोड़ 29 लाख रुपये के नकली नोट मिलने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (छप्।) ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है. एजेंसी ने अजय कुमार को हरियाणा के अंबाला से और हरीश रौंटा को हिमाचल प्रदेश के मनाली से पकड़ा है. दोनों को पहले गिरफ्तार किए गए करेंसी चेस्ट के संविदा ड्राइवर आदेश चौधरी का करीबी बताया जा रहा है.छप्। द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मामले में अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. छप्। अब इस मामले में नकली नोटों के असली नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है. जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकली नोट कहां तैयार किए गए, उनकी सप्लाई किन माध्यमों से हुई और वे बैंक की करेंसी चेस्ट तक कैसे पहुंचे. अलग–अलग राज्यों से हुई गिरफ्तारियों के बाद आरोपियों के आपसी संपर्कों और उनकी कथित भूमिका की भीपड़ताल की जा रही है.

मामले की शुरुआत 29 अगस्त को हुई थी, जब पीएनबी के मेरठ मंडल के मुख्य प्रबंधक अरुण कुमार चौबे ने सहारनपुर के सदर बाजार थाना

पुलिस को घंटाघर स्थित सोफिया मार्केट की करेंसी चेस्ट में सात लाख रुपये के नकली नोट मिलने की सूचना दी थी. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की. बाद में विस्तृत जांच के दौरान जाली नोटों की कुल राशि बढ़कर 17 करोड़ 29 लाख रुपये तक पहुंच गई. इतनी बड़ी मात्रा में नकली मुद्रा मिलने से मामला गंभीर हो गया और जांच का दायरा बढ़ता चला गया.तीन सितंबर को छप्। ने मामले की जांच शुरू की. इसके बाद जांच केवल बैंक में मिले जाली नोटों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनके संभावित स्रोत, परिवहन और आपूर्ति से जुड़े लोगों की भूमिका की पड़ताल भी शुरू की गई. इस प्रकरण में छप्। इससे पहले पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है. इनमें जगाधरी करेंसी चेस्ट के प्रबंधक अमित कुमार, संविदा ड्राइवर आदेश चौधरी, मुकेश कुमार, राजेंद्र और नीतू शामिल हैं. अब अजय कुमार और हरीश रौंटा की गिरफ्तारी के बाद एजेंसी आरोपियों के बीच संपर्कों की जांच कर रही है.अजय कुमार को 16 अक्टूबर को अंबाला से गिरफ्तार किया गया, जबकि हरीश रौंटा को 22 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश के मनाली से पकड़ा गया. दोनों की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के बीच किस तरह का संपर्क था और जाली नोटों की कथित आवाजाही में उनकी क्या भूमिका रही. जांच के दौरान करेंसी चेस्ट से जुड़े अधिकारियों की भूमिका भी सामने आई थी.इस मामले में जगाधरी करेंसी चेस्ट के प्रबंधक अमित कुमार, सहारनपुर मंडल के

नीट पेपर लीक मामले के सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 27 अक्टूबर तक बढ़ी

नई दिल्लीः राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आज नीट–यूजी 2026 पेपर लीक मामले के सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 27 अक्टूबर तक बढ़ा दी है. फास्ट ट्रैक कोर्ट के स्पेशल जज अजय गुप्ता ने मामले की अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को करने का आदेश दिया.

कोर्ट 27 अक्टूबर को इस मामले के 14वें आरोपी शेषराव बजरंग सूर्यवंशी उर्फ राज सूर्यवंशी की ओर से आरोप तय करने पर दलीलें सुनेगा. सीबीआई ने 14 अक्टूबर 2026 को शेषराव बजरंग सूर्यवंशी उर्फ राज सूर्यवंशी के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल किया था. इसके पहले 7 अक्टूबर, 2026 को सीबीआई ने कहा था कि सूर्यवंशी के खिलाफ जांच चल रही है और पूरी करने के लिए समय चाहिए। आज कोर्ट में सुनवाई के दौरान सभी आरोपी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये पेश हुए.

कोर्ट आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर सुनवाई कर रहा है. गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने आरोपी धनंजय लोखंडे की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी. हाईकोर्ट ने धनंजय लोखंडे पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाने का आदेश दिया था. राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 22 अगस्त को धनंजय लोखंडे की अरेस्ट मेमो देने की मांग करने वाली अर्जी खारिज कर दी थी. इसके पहले कोर्ट ने 14 अगस्त को सीबीआई को इस मामले की आगे और जांच करने की अनुम. ति दी थी। 12 अगस्त को कोर्ट ने सीबीआई की ओर से 13 आरोपियों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था. सीबीआई ने जिन लोगों को आरोपी बनाया है उनमें यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रहलाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवलदार शामिल हैं.सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 315(5), 318(4), 61(2), 238, 303(2), भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2) और 13(1)(ए) और पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट की धारा 10 ,धारा 3, 4, 5 और 11 के तहत एफआईआर दर्ज किया था. चार्जशीट पर सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से कहा गया था कि इस मामले में 12 मई को एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके तुरंत बाद 72 अफसरों और आठ साइबर फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से जांच शुरु की गई. सीबीआई ने महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और दूसरे राज्यों के 92 स्थानों पर छापे मारे। इस मामले में पहली गिरफ्तारी 13 मई को की गई थी.

आरक्षित सीट को लेकर विवाद, मारपीट में शख्स की मौत, रिटायर्ड ौ अधिकारी और बेटा गिरफ्तार

नई दिल्लीः दिल्ली मेट्रो में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आरक्षित सीट पर बैठने को लेकर हुई मारपीट में एक यात्री की मौत हो गई. दिल्ली मेट्रो पुलिस ने इस मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी संजय प्रताप सिंह (65) व उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह (36) को गिरफ्तार किया है. मेट्रो पुलिस के मुताबिक दोना. आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. मामले में आगे की जांच जारी है.दिल्ली मेट्रो पुलिस के डीसीपी की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक घटना 8 अक्टूबर की शाम करीब 5:47 बजे की है. सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर–1 पर एक व्यक्ति के बेहोश होने की सूचना पुलिस को मिली थी. पुलिस को पता चला कि संबंधित व्यक्ति को उसकी मां के साथ लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया गया है. अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को जानकारी मिली कि उसे मृत अवस्था में लाया गया था. चिकित्सक उसे मृत घोषित कर चुके हैं. मृतक की पहचान 48 वर्षीय पवन शर्मा के रूप में हुई.मंडी हाउस स्टेशन से ट्रेन में चढ़े थे आरोपीपुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में सामने आया कि वन शर्मा अपनी करीब 65 वर्षीय मां दुर्गा देवी के साथ यमुना विहारपहुंचने पर पवन शर्मा बेहोश हो गए. उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जा रहे थे. दोनों मेट्रो ट्रेन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निर्धारित सीटों पर बैठे थे. इसी दौरान मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन से संजय प्रताप सिंह और उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह मेट्रो में सवार हुए. पुलिस के अनुसार आरक्षित सीट को लेकर पवन शर्मा और दोनों आरोपियों के बीच विवाद हुआ. आरोप है कि कहासुनी बढ़ने के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया. ट्रेन के सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पहुंचने पर पवन शर्मा बेहोश हो गए. उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया.मां के बयान पर दर्ज हुई प्राथमिकी दिल्ली मेट्रो पुलिस के मुताबिक मृतक की मां दुर्गा देवी के बयान के आधार पर 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट मेट्रो थाने में एफआईआर दर्ज की गई. इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 3(5) लगाई गई हैं. धारा 105 गैर इरादतन हत्या से संबंधित है, जबकि धारा 3(5) साझा मंशा के तहत किए गए कृत्य से जुड़ी है.जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के अनुसार संजय प्रताप सिंह वर्ष 1984 बैच के एजीएमयूटी कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं और नोएडा के सेक्टर–44 में रहते हैं. उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह दिल्ली में वकालत करते हैं और नोएडा के सेक्टर–50 के निवासी हैं.पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है. विवाद की परिस्थितियों और यात्री की मौत से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है.

लद्दाख में पहले पंचायत चुनाव की घोषणा, 248 गांवों में 21 नवंबर को वोटिंग

श्रीनगर: केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में लंबे समय से रुके हुए पंचायत चुनाव नवंबर में होंगे. राज्य चुनाव आयोग ने बुधवार को इसकी घोषणा की. इसके साथ ही आदर्श आचार संहिता तुरंत प्रभाव से लागू हो गई.
राज्य चुनाव आयुक्त (म्) सुधांशु पांडे ने कहा कि चुनाव 21 नवंबर को होंगे और मतगणना समेत पूरी प्रक्रिया 30 नवंबर से पहले पूरी हो जाएगी.
2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में यह पहला पंचायत चुनाव होगा. पिछला पंचायत चुनाव नवंबर 2018 में हुआ, तब लद्दाख पूर्ववर्ती जम्मू–कश्मीर राज्य में था.निर्वाचित निकाय और अनुच्छेद 371 के सुरक्षा उपायों को लेकर लद्दाख के संगठनों और गृह मंत्रालय (डभ्।) के बीच जारी असहमति के बीच 248 गांवों में पंचों और सरपंचों के चुनाव की घोषणा की गई है.गृह मंत्रालय ने न तो पूर्ण राज्य का दर्जा और न ही विधायिका वाला केंद्र शासित प्रदेश मंजूर किया है, बल्कि हिमालयी क्षेत्र के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया एक 'सुई जेनेरिस' मॉडल पेश किया है. हालांकि, 2023 से केंद्र सरकार के साथ बातचीत कर रहे लेह एपेक्स बॉडी (स्।ठ) और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (ज्ञक्।) सहित लद्दाख के संगठनों ने इसका विरोध किया है.पंचायतों के लिए मतदाता सूची का पुनरीक्षण इस साल पूरा कर लिया गया था, जबकि नगर पालिका की मतदाता सूची में संशोधन अभी भी चल रहा है. राज्य चुनाव आयोग की अधिसूचना में कहा गया है कि चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है.अधिसूचना में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर पंचायती राज नियमावली, 1996 का नियम 7 (जैसा कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख पर लागू होता है) पंचायत हलकों को सरपंचों और पंचों को चुनने का प्रावधान करता है.चुनावी कार्यक्रम में कहा गया है कि चुनावों के लिए अधिसूचना प्रशासक और राज्य चुनाव आयोग द्वारा 26 अक्टूबर को जारी की जाएगी. नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 2 नवंबर है और नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी. उम्मीदवार 5 नवंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे और 21 नवंबर को मतदान होगा. पूरी प्रक्रिया 31 नवंबर तक पूरी हो जाएगी.राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, आदर्श आचार संहिता का पालन सभी राजनीतिक दलों द्वारा किया जाना चाहिए और किसी भी पार्टी या उम्मीदवार को ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए जो विभिन्न जातियों और समुदायों के लोगों के बीच मतभेद या आपसी नफरत पैदा करे या और अधिक बढ़ाए और तनाव का कारण बने.राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव प्रचार के लिए पूजा स्थलों के इस्तेमाल और बिना लिखित अनुमति के पोस्टर चिपकाने के लिए सरकारी या निजी संपत्तियों के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी है.

10 अक्टूबर को ब्ध्च च्तवजमेज की अनुमति क्यों नहीं दी? दिल्ली के पुलिस कमिश्नर ने ैब् को बताया, जानें क्या कहा

दिल्ली के जंतर मंतर पर 10 अक्टूबर के ब्ध्च मार्च पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। ब्ध्च के 10 अक्टूबर के मार्च की अनुमति नहीं देने के फैसले का बचाव करते हुए पुलिस कमिश्नर ने कहा है, कानून–व्यवस्था बनाए रखने और जान–माल की सुरक्षा के लिए ये कदम उठाना जरूरी था। पुलिस ने दावा किया है कि ब्ध्च के

पुराने प्रदर्शनों में हिंसा, संपत्ति को नुकसान और लोगों के घायल होने की घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी में कानून–व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती थी।
जुलाई में हुए मार्च को लेकर पुलिस ने किया दावा
पुलिस ने 20 जुलाई को छम्म्ज्–न्ळ पेपर लीक के मुद्दे पर निकाले गए ब्ध्च के 'चलो संसद' मार्च को अनधिकृत, गैरकानूनी और अवैध बताया है और आरोप लगाया कि जुलाई के मार्च में गैरकानूनी जमावड़ा हुआ था और उस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले किए गए थे। पुलिस ने दावा किया, जुलाई में हुए इस विरोध प्रदर्शन में 240 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और कर्मचारी घायल हुए थे। पुलिस ने दावों के समर्थन में तस्वीरों, वीडियो और अन्य सामग्री का हवाला दिया।जून के प्रदर्शन को लेकर दिए गए आश्वा. सन का जिक्रपुलिस के मुताबिक, ब्ध्च ने जून में हुए प्रदर्शन के लिए लिखित आश्वासन दिया था और आश्वासन था कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा और इसमें 1,000 से ज्यादा लोग शामिल नहीं होंगे। बिना पूर्व अनुमति संसद की ओर मार्च नहीं निकालने की भी दी गई थी सहमति, बाद में आश्वासन और निर्धारित शर्तों का उल्लंघन किया गया। पुलिस ने कोर्ट में दिए गए हलफनामे में 20 जुलाई के कथित अनधिकृत मार्च को 10 अक्टूबर को अनुमति नहीं देने का बताया आधार और 6, 7 और 8 अक्टूबर के प्रदर्शनों का भी हवाला दिया।पुलिस ने बताया–मार्च की वजह से लोगों को परेशानी हुईपुलिस के मुताबिक, 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक मार्च निकाला गया था, 7 अक्टूबर को जनपथ से जंतर–मंतर तक मार्च हुआ, 8 अक्टूबर को कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल से राजघाट की ओर प्रदर्शन किया गया। पुलिस प्रदर्शनों के कारण सेंट्रल दिल्ली में घंटों यातायात बाधित रहा। छात्रों और दूसरे यात्रियों को परेशानी हुई, कुछ लोग ट्रेन और फ्लाइट तक नहीं पकड़ सके। पुलिस ने आरोप लगाया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया। महिला पुलिस अधिकारियों के साथ बदसलूकी की, इन प्रदर्शनों में एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए।10 अक्टूबर के मार्च को लेकर पुलिस की आशंकापुलिस कमिश्नर ने बताया, जुलाई की घटना और अक्टूबर के शुरुआती प्रदर्शनों को ध्यान में रखकर खतरे का आकलन किया

दिल्ली की अदालतें और तारीख पर तारीख का बोझः 3 लाख से ज्यादा केस पेंडिंग, जानें स्ळ के कड़े फैसलों से कैसे बदलेगा सिस्टम

नई दिल्ली: अदालतों में 'तारीख पर तारीख' का सिलसिला सदियों पुराना माना जाता है, लेकिन जब यह बोझ लाखों परिवारों के न्याय पर भारी पड़ने लगे तो व्यवस्था को कड़े कदम उठाने ही पड़ते हैं. दिल्ली की जिला अदालता. में इस समय 3,02,477 (सितंबर 2026) ट्रायल केस पेंडिंग हैं. मामलों के निपटारे की धीमी रफ्तार और कम सजा दर पर बीते दिनों दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गहरी चिंता जताई है.

उपराज्यपाल ने दिल्ली के अभियोजन निदेशालय के कामकाज की समीक्षा करते हुए एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई थी. बैठक में कानून और गृह विभाग के प्रमुख सचिव, दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त, प्रॉसिक्यूशन के निदेशक और कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए. तब उपराज्यपाल ने स्पष्ट संदेश दिया है कि देर से मिला न्याय, न्याय न मिलने के बराबर है. इस स्पेशल एक्सप्लेनर रिपोर्ट में आसान भाषा में समझिए कि दिल्ली की अदालतों में पेंडेंसी का गणित क्या है, वकीलों पर कितना बोझ है और नए कानूनों के दम पर सिस्टम को कैसे सुधारा जाएगा. सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एलएन राव ने बताई बारीकियां (म्ग्ट ठभ्।ए।ज्)
अदालतों में पेंडेंसी का पूरा गणित30 सितंबर, 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली की जिला अदालतों में कुल 3,02,477 आपराधिक मामले लंबित हैं. दिल्ली के सभी मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेंडिंग केस की संख्या 2,54,597 तो वहीं सेशन कोर्ट में 47,880 मामले लंबित हैं. इन आंकड़ों से साफ है कि मजिस्ट्रेट कोर्ट्स में मुकदमों का सबसे बड़ा अंबार लगा हुआ है. जहां छोटे–मोटे अपराधों से लेकर शुरुआती दौर के आपराधिक मामलों की सुनवाई होती है.रोहिणी कोर्ट का हाल सबसे बेहालदिल्ली में सरकारी वकीलों की भारी कमी है. जिसके कारण अदालती कार्यवाही पर बुरा असर पड़ रहा है. आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति बेहद चिंताजनक है. सेशन कोर्ट में तैनात 155 पब्लिक प्रॉसिक्यूटर (च्च्) और एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर (।च्च्) में से प्रत्येक के पास औसतन 309 पेंडिंग केस हैं. लेकिन रोहिणी कोर्ट में स्थिति इतनी खराब है कि वहां एक सरकारी वकील के पास औसतन 627 मामले लंबित हैं. जबकि मैजिस्ट्रेट कोर्ट में तैनात 126 एडिशनल और असिस्टेंट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के कंधों पर औसतन 2,021 मामलों का बोझ है. रोहिणी में यह आंकड़ा हैरान करने वाला है, जहां एक–एक वकील 3,065 केस संभाल रहा है. जब एक वकील को एक ही दिन में दर्जनों मामलों में जिरह करनी पड़े, तो न्याय प्रक्रिया का सुस्त होना लाजमी है.एलएन राव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताएलएन राव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता (म्ग्ट ठभ्।ए।ज्)पदों का खाली होना और इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी
वहीं अभियोजन निदेशालय में वकीलों और कर्मचारियों की भारी कमी है. वकीलों के खाली पदों की बात करें तो स्वीकृत 507 पदों (पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, एडिशनल और असिस्टेंट प्रॉसिक्यूटर) में से 216 पद खाली पड़े हैं. यानी लगभग 42: पद बिना वकीलों के हैं. सपोर्टिंग स्टाफ के स्वीकृत 71 पदों में से 42 पद खाली हैं. सिर्फ स्टाफ ही नहीं, बल्कि अदालतों में कमरों वकीलों के चैंबरों और रिकॉर्ड रूम की भी भारी किल्लत है.अदालतों में खाली पदों को भर्ती की क्या है तैयारी
यूपीएससी ने असिस्टेंट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के 140 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया है. निदेशालय ने कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर 50 पद विज्ञापित किए हैं. 32 पद डेपुटेशन से भरे जाएंगे. नए कानून (ठछै) के तहत डिप्टी डायरेक्टर और असिस्टेंट डायरेक्टर के बनाए गए 40 नए पदों के लिए भर्ती नियम बनाए जा रहे हैं. उपराज्यपाल ने भरोसा दिया है कि वे खुद यूपीएससी और पीडब्ल्यूडी से बात करके भर्ती और कोर्ट रूम की समस्याओं को जल्द से जल्द सुलझाएंगे.एलएन राव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताएलएन राव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता (म्ग्ट ठभ्।ए।ज्)मुकदमों की सुस्त चाल पर कैसे लगेगी लगाम?उपराज्यपाल ने बैठक में कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 अभियोजन पक्ष को अभूतपूर्व अधिकार देती है, ठछै में जांच और ट्रायल के लिए सख्त समय–सीमा तय की गई है. स्ळ ने इसे लागू करने के लिए कई निर्देश दिए हैं.ट्रायल इन एब्सेंटिया (ज्तपंस पद ।इेमदजपं): अगर कोई आरोपी जानबूझकर कोर्ट से

प्रयागराज में बंद स्ट्रीट लाइटों ने बढ़ाई छात्राओं की मुसीबत, गलियों में बना रहता है छिनैती का खौफ

प्रयागराज: इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर और कटरा–अल्लापुर जैसे प्रमुख छात्र बहुल इलाकों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों, विशेषकर छात्राओं के लिए शाम के बाद सड़कों पर निकलना जोखिम भरा हो गया है. शाम के 7 बजते ही मार्गों और गलियों में स्ट्रीट लाइटें गुल हो जाती हैं, जिससे चारों ओर अंधेरा छा जाता है.
अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व मोबा. इल और पर्स छिनैती जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. ईटीवी भारत द्वारा किए गए ग्राउंड सेफ्टी ऑडिट में सामने आया कि मुख्य चौराहों पर पुलिस गश्त के दावे तो करता हैं, लेकिन हॉस्टल और पीजी की ओर जाने वाली अंदरूनी सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से नदारद होती है.लक्ष्मी टॉकीज से बैंक रोड और विश्वविद्यालय से सटे मार्गों पर कई स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं. प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र अर्पित धनगर ने बताया कि शाम 7 बजे के बाद जब छात्र–छात्राएं फोन पर बात करते हुए या साइकिल से निकलते हैं, तो अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाश मोबाइल छीनकर भाग जाते हैं. उन्होंने कहा कि यदि स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त रहें और नियमित रूप से जलती रहें, तो इन वारदातों पर काफी हद तक लगाम लग सकती है.टीचिंग भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहीं कल्पना देवी और मास्टर्स की छात्रा पारुल मिश्रा ने बताया कि अंधेरा होने के बाद वे इस रास्ते पर बिल्कुल सुरक्षित महसूस नहीं करतीं. पारुल के मुताबिक, अंधेरी गलियों में अकेले निकलना बेहद मुश्किल होता है, इसलिए मजबूरी में किसी न किसी को साथ लेकर ही बाहर जाना पड़ता है.वहीं, बीए की छात्रा अदिति यादव ने प्रमुख चौराहों पर पुलिस की मौजूदगी दिखती है, अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि वे शाम के बाद अकेले निकलने की हिम्मत ही नहीं करतीं. उन्होंने यह भी खुलासा किया कि इस अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व नशीले पदार्थों (ड्रग्स) के अवैध इस्तेमाल जैसी गतिविधियों में भी लिप्त दिखते हैं, जिससे छात्राओं में भय और अधिक बढ़ जाता है.

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहीं और पीजी में रहने वाली निधि ने बताया कि कैंपस के ठीक बाहर की सड़कों पर सुरक्षा का अभाव बेहद चिंता. जनक है. निधि ने कहा कि वे खुद भी मोबाइल छिनैती की शिकार हो चुकी हैं. उनके अनुसार, कई लड़कियों के साथ इस तरह कोटनाएं भी सामने आती हैं. लगातार हो रही इन वारदातों के बावजूद अभी तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं.डे प्लान और ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार, शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिसप्रमुख चौराहों पर पुलिस की मौजूदगी दिखती है, की मौजूदगी दिखती है, लेकिन कटरा, अल्लापुर और हॉस्टलों की आंतरिक गलियों में न तो कोई प्रभावी गश्त है और न ही पिंक बूथ सक्रिय हादसे हो चुके हैं और अंधेरा होने के कारण राह चलते असामाजिक तत्वों द्वारा फब्तियां कसने और अनुचित व्यवहार की घटनाएं भी सामने आती हैं. लगातार हो रही इन वारदाता. के बावजूद अभी तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं.डे प्लान और ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार, शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस की मौजूदगी दिखती है, लेकिन कटरा, अल्लापुर और हॉस्टलों की आंतरिक गलियों में न तो कोई प्रभावी गश्त है और न ही पिंक बूथ सक्रिय भूमिका में नजर आ रहा है. पढ़ाई के सिलसिले में देर शाम लाइब्रेरी या कोचिंग से लौटने वाले छात्र–छात्राओं ने प्रशासन से मांग की है कि बंद स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त किया जाए और इन मार्गों पर नियमित पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए.

लखनऊ में सीईसी ज्ञानेश कुमार के समर्थन ।ठटच का प्रदर्शन, अभिजीत दिपके, ध्रुव राठी और नेहा बोरा को बताया देश के खिलाफ

लखनऊ: सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली सहित देशभर में हो रहे प्रदर्शन के खिलाफ ।ठटच रविवार को लखनऊ में सड़क पर उतरी. कॉकरोच जनता पार्टी और ।ै। सहित विभिन्न संगठनों के प्रदर्शनों और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को गैरकानूनी बताया. संगनठ ने बताया कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहा अराजक हमला गलत है. यह लो. कतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है. इन्हीं मुद्दों को लेकर एबीवीपी ने "अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ" अभियान के अंतर्गत "छात्र हुंकार" विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है.लखनऊ यूनिवर्सिटी के गेट नंबर– 3 पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ता जमा हुए. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'लोकतांत्रिक संस्थानों पर हमला नहीं सहेंगे' 'कॉकरोच पार्टी मुर्दाबाद' का नारा लगाया. साथ ही

छात्रों का कहना रहा कि नेहा बोरा, अभिजीत दिपके और ध्रुव राठी देश के खिलाफ हैं.।ठटच के सामने नेहा बोरा धूल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी आर्यन कुशवाहा ने कहा कि, आज हम उन ताकतों के विरोध में जमा हुए हैं. राष्ट्रवाद के खिलाफ नारा लगाने वाले, रिज्यूम चेंज करने की बात करने वाले और बांग्लादेश का उदाहरण देने वाले संगठनों को जवाब देने के लिए एकत्र हुए हैं. दिल्ली में जितने संगठन और लोग जमा हुए वह राष्ट्र के विरोध में खड़े थे. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सामने नेहा बोरा धूल हैं. विद्यार्थी परिषद एक आंधी है. यह सब मौसमी मेंढक हैं..हमारे सामने टिक नहीं पाएंगे.ध्रुव राठी कर रहा देश को बदनामप्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आज राष्ट्रवादी छात्र आक्रोशित हैं. दिल्ली के जंतर–मंतर पर हमने देखा कि अभिजीत दिपके, ध्रुव राठी और

छह महीने तक के शिशुओं के फूड को लेकर है।ए सख्त, पोषण उत्पादों में ऐडेड शुगर और फ्रुक्टोज मिलाने पर प्रतिबंध का प्रस्ताव

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (है।ए) ने छह महीने तक के शिशुओं के लिए बनाए जाने वाले पोषण उत्पादों में सुक्रोज और फ्रुक्टोज मिलाने पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य पोषण मानकों को मजबूत करना और शिशुओं को शुरुआती उम्र में ही एडेड शुगर के संपर्क में आने से बचाना है। यह प्रस्ताव 'खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) संशोधन विनियम, 2026' के मसौदे का हिस्सा है, जिसे 16 अक्टूबर को भारत के गजट ऑफ इंडिया में प्रकाशित किया गया था।इस संशोधन का उद्देश्य मौजूदा नियामक ढांचे को मजबूत करना है। इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शिशुओं के पोषण संबंधी उत्पाद उनकी उम्र के हिसाब से जरूरी पोषक तत्वों की आवश्यकताओं को पूरा करें, खासकर जीवन के पहले छह महीनों के दौरान। खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) विनियम, 2020 के अंतर्गत, जन्म से लेकर 24 महीने तक के बच्चों के लिए बनाए गए विभिन्न प्रकार के शिशु खाद्य उत्पादों के लिए पोषण संरचना, गुणवत्ता और सुरक्षा मानक निर्धारित किए गए हैं।6 महीने तक के बच्चों के लिए बने उत्पादों पर बैन

मौजूदा नियमों में लैक्टोज और ग्लूकोज पॉलिमर को कार्बोहाइड्रेट के पसंदीदा स्रोत के रूप में पहचाना गया है, जबकि जरूरत पड़ने पर सुक्रोज और फ्रुक्टोज को भी कार्बोहाइड्रेट के स्रोत के तौर पर, एक तय सीमा के भीतर, मिलाने की अनुमति दी गई है। प्रस्तावित संशोधन में छह महीने तक की उम्र के शिशुओं के लिए बने उत्पादों पर एक विशेष प्रतिबंध लगाया गया है।

क्यों लगाया जा रहा है प्रतिबंध

है।ए के अनुसार, जीवन के पहले छह महीने स्वस्थ विकास और ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए इस दौरान सही पोषण मिलना जरूरी है। प्रस्तावित प्रतिबंध का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिशुओं के पोषण उत्पादों में बिना किसी अनावश्यक अतिरिक्त शर्करा के, सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हों। इस उपाय का उद्देश्य उन जन–स्वास्थ्य चिंताओं को दूर करना भी है जो कम उम्र में एडेड शुगर के सेवन से जुड़ी हैं। इनमें बचपन के मोटापे और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार आहार संबंधी जोखिम कारक भी शामिल हैं। यह पहल सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी उन स्थापित सिफारिशों के अनुरूप है, जो जीवन के पहले छह महीनों के दौरान केवल स्तनपान कराने की वकालत करती है।60 दिनों के भीतर आपत्तियां और सुझाव दें हितधारक

पोषण संबंधी मानकों को सख्त बनाकर, है।ए का उद्देश्य निर्माताओं को ऐसे फॉर्मूलेशन तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जो छोटे शिशुओं की पोषण संबंधी जरूरतों को प्राथमिकता दें और साथ ही खान–पान के उचित तरीकों को बढ़ावा दें। प्रस्तावित संशोधन में खाद्य नियामक का विज्ञान–आधारित मानकों, जिम्मेदार उत्पाद निर्माण और निवारक पोषण पर जोर भी दिखाई देता है, जो बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। मसौदा अधिसूचना को सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी कर दिया गया है। इसमें हितधारकों को आमंत्रित किया गया है कि वे ऑफिशियल गजट अधिसूचना के सार्वजनिक होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियां और सुझाव प्रस्तुत करें। है।ए प्रस्तावित संशोधन को अंतिम रूप देने से पहले, परामर्श अवधि के दौरान प्राप्त सुझावों और आपत्तियों की जांच करेगा।

क्या आप भी फैटी लिवर डिजीज से हैं परेशान? तो इसे नेचुरली कंट्रोल में रखने के लिए ये चीजें खाएं

डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की तरह ही, आजकल फैटी लिवर की बीमारी पर भी काफी चर्चा हो रही है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुस्त जीवनशैली, खान–पान की आदतें, मोटापा और बहुत ज्यादा शराब पीना इस बीमारी के मुख्य कारण हैं. इस बीमारी का सही समय इलाज न होने पर लिवर को काफी नुकसान पहुंच सकता है. फैटी लिवर की बीमारी को कंट्रोल करने में खान–पान की अहम भूमिका होती है. ऐसे में आइए इस खबर में जानते हैं कि लिवर को स्वस्थ रखने और इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए किस तरह का खाना खाना चाहिए...लहसुन: जानकारों का कहना है कि यह लिवर में फैट जमा होने से रोकता है. साइंसडायरेक्ट के अनुसार, रोजाना थोड़ी मात्रा में कच्चा लहसुन खाने या इसे खाने में शामिल करने से लिवर की सेहत अच्छी रहती है. लहसुन में पाया जाने वाला 'एलिसिन' नाम का तत्व लिवर का फैट कम करने में मदद करता है.

टोफू: यह पौधों से मिलने वाला प्रोटीन है. जानकारों का कहना है कि इसमें फैट कम होता है और यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने में मददगार माना जाता है. टोफू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर की सूजन को कम करने और सेल्स को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं.

कॉफी: कई स्टडीज से पता चला है कि कॉफी पीने से लिवर एंजाइम का लेवल कम होता है और सूजन भी घटती है. जानकारों का कहना है कि कॉफी में मौजूद कैफीन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ता है. रोजाना दो से तीन कप कॉफी पीने से लिवर फाइब्रोसिस और सिरोसिस का खतरा कम हो सकता है. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, रोजाना दो कप कॉफी पीने से लिवर कैंसर का खतरा 43 फीसदी तक कम हो सकता है.

ग्रीन टी: जानकारों का कहना है कि इसमें 'कैटेचिन' (बजमबीपदे) नाम के शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. ये न सिर्फ लिवर की चर्बी कम करते हैं, बल्कि अपने एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों की वजह से सूजन भी कम करते हैं. मायो क्लिनिक के अनुसार, ब्लैक कॉफी, ग्रीन टी और अखरोट में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण लिवर की चर्बी कम करने में मदद करते हैं.

क्रूसिफेरस सब्जियां: ब्रोकली, फूलगोभी और पत्तागोभी जैसी सब्जियां लिवर में डिटॉक्स करने वाले एंजाइम को सक्रिय करती हैं. इनमें मौजूद प्राकृतिक कंपाउंड और एंटीऑक्सीडेंट लिवर की कोशिकाओं की रक्षा करते हैं.

अखरोट: इनमें ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जानकारों का कहना है कि नियमित रूप से अखरोट खाने से फैटी लिवर की समस्या कम हो सकती है. साथ ही, ये लिवर एंजाइम के काम को बेहतर बनाने में भी मदद करते हैं.

एवोकाडो: इस फल में ग्लूटाथियोन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है. जानकारों के मुताबिक, यह लिवर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है. एवोकाडो में पाए जाने वाले विटामिन ६, ठ9 और ॅ के साथ–साथ ओलिक एसिड भी लिवर की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं.

बेरीज: जानकारों का कहना है कि ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये लिवर की सूजन कम करने और सेल्स की मरम्मत में मदद करते हैं.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग दाऊद की 'डी–कंपनी' से जुड़ा अंडरवर्ल्ड मॉडल है? खौफ का दूसरा नाम, कैसे करता है काम

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती सेंट्रल जेल की हाई–सिक्योरिटी बैरक में बंद है, लेकिन अक्सर हाई–प्रोफाइल हस्तियों, गायकों और राजनेताओं को निशाना बनाता रहा है। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हमले के बाद उसका विदेशी नेटवर्क एक बार फिर चर्चा में है। रविवार को मुंबई में तीन हमलावरों ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलियां चलाईं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो कथित सदस्यों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस हमले की जिम्मेदारी ली है, जिसमें से एक अमेरिका में रहने वाले अनिल पंडित ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है।

कैसे काम करता है लॉरेंस बिश्नोई गैंग?हाल ही में अनिल पंडित ने गिरोह की ओर से खुद को चर्चा में लाने की कोशिश की है, ताकि लोगों का ध्यान अमेरिका में बिश्नोई के सहयोगी सतविंदर सिंह उर्फ घ्गोल्डी बराड़ से हट सके, जिसकी तलाश फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (थ्ठप्) कर रही है। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि श्रॉफ को निशाना बनाने के बारे में सोशल मीडिया पर पंडित का दावा सच लगता है। वहीं, जांचकर्ता इस गिरोह के व्यापक नेटवर्क की भी पड़ताल कर रहे हैं, जिसमें एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स का इस्तेमाल और शूटर्स तक विदेशी हथियारों की सप्लाई शामिल है।थ्ठप् ने इस गिरोह को 'लॉरेंस बिश्नोई ऑर्गेनाइज्ड क्राइम ग्रुप' (ब्ळ) का नाम दिया है। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार काम करने, विदेश से स्थानीय शूटर्स को भर्ती करने और बड़े लोगों को निशाना बनाकर व्यापारियों को धमकाने में सक्षम है, ताकि वे अपने कामकाज के लिए उनसे फंड वसूल सकें।

बता दें कि अभिनेता टाइगर श्रॉफ से पहले, इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह ने बॉलीवुड सितारों सलमान खान, रणवीर सिंह, आमिर खान और निर्देशक रोहित शेट्टी को भी धमकी दी थी और उन्हें अपना निशाना बनाया था। मई 2022 में मशहूर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या कर दी गई थी, और अक्टूबर 2024 में महाराष्ट्र के नेता बाबा सिद्दीकी की भी हत्या कर दी गई। इन हत्याओं के पीछे भी लॉरेंस बिश्नोई का ही हाथ बताया जाता है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग कैसे करता है कामप्ेंहम ँवनतबम : ष्फ्क्प्।ज्ट

लॉरेंस बिश्नोई गैंग कैसे करता है कामकौन है अनिल पंडित ?

हरियाणा के पानीपत जिले के ऐर कलां गांव का रहने वाला 32 वर्षीय पंडित, 2023 में भारत से भाग गया था। कहा जाता है कि वह थाईलैंड और कनाडा होते हुए अमेरिका पहुंच गया। इस साल जुलाई में अमेरिका में दायर एक आरोप–पत्र के अनुसार, उसके संबंध गैंगस्टर रणदीप मलिक और कनाडा में रहने वाले रविंदर सिंह ढांडा से हैं, जो लॉरेंस बिश्नोई के संगठित अपराध गिरोह (ब्ळ) के साथ काम करते हैं।भारतीय जांच एजेंसियों का कहना है कि अनिल पंडित कैलिफोर्निया से अपना काम चलाता है और ऐसा शक है कि वह गोल्डी बराड़ के भी संपर्क में है। टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने से पहले, इस साल उसका नाम गोलीबारी और जबरन वसूली की कई घटनाओं में सामने आया था। इनमें पश्चिमी दिल्ली में गायक गुरु रंधावा से जुड़े एक जिम मालिक पर गोलीबारी, पुणे के एक ज्वेलरी शोरूम में फायरिंग, और भिवाड़ी तथा सोनीपत में हुए दो हमले शामिल हैं।

लॉरेंस का गुर्गा अनिल पंडित

प्ेंहम ँवनतबम : थ्ठप् (फ्क्प्।ज्ट)

लॉरेंस का गुर्गा अनिल पंडित

दिल्ली और हरियाणा पुलिस इन घटनाओं की जांच कर रही है। जांच में यह भी पता चला है कि शूटर्स से संपर्क करने और विदेशों में बने हथियारों को मंगवाने के लिए 'सिग्नल' (एक एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप) का इस्तेमाल किया गया था।

कौन है हरमन संधू?

हाल ही के हमले में एक और मुख्य संदिग्ध हरमनवीर सिंह उर्फ घ्हरमन संधू का नाम सामने आ रहा है, जिसे जून में थ्ठप् की 'वांटेड' लिस्ट में भी शामिल किया गया था। बताया जाता है कि संधू, रविंदर ढांडा नेटवर्क का सदस्य है, जो बिश्नोई गैंग के साथ मिलकर काम करता है और उसे जुलाई में कैलिफोर्निया में थ्ठप् ने हिरासत में ले लिया था। अब इस बात की जांच की जा रही है कि 'टाइगर श्रॉफ शूटिंग' मामले में उसका नाम कैसे सामने आया।23 जून को, अमेरिका के कैलिफोर्निया (लॉस एंजिल्स) स्थित डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने संधू के खिलाफ एक फेडरल अरेस्ट वारंट जारी किया था। उस पर प्रतिबंधित पदार्थों को रखने, उन्हें बांटने की साजिश रचने और उन्हें निर्यात करने की साजिश रचने जैसे आरोप लगाए गए थे। जांचकर्ताओं का कहना है कि संधू कथित तौर पर टारगेट की पहचान करने, शूटर्स के बीच तालमेल बिठाने, हथियारों का इंतजाम करने या बातचीत में मदद करने जैसे कामों में शामिल था।क्या है 'ऑपरेशन हार्ड बॉल'?जुलाई में, अमेरिकी अधिकारियों ने 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' की घोषणा की। यह अमेरिका, कनाडा और यूरोप के बीच एक संयुक्त कानून–प्रवर्तन अभियान था, जिसमें भारत के 37 गैंगस्टरों के खिलाफ तीन संघीय अभियोग (फिकमतंस पदकपबजउमदजे) दायर किए गए और उनमें से 24 को गिरफ्तार कर लिया गया। ये लोग लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया और रविंदर सिंह ढांडा के नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।अमेरिकी अभियोजकों ने बताया कि लॉरेंस बिश्नोई भारत के गुजरात के साबरमती जेल के हाई सिक्योरिटी बैरक से अपने आपराधिक नेटवर्क को चलाता है। इसके लिए वह प्रतिबंधित मोबाइल फोन और वॉयस–ओवर–इंटरनेट–प्रोटोकॉल (टव्प्च्) उपकरणों का इस्तेमाल करता है। इन गतिविधियों में टारगेट किलिंग, गोलीबारी, जबरन वसूली, अपहरण, नशीले पदार्थों की तस्करी और मानव तस्करी जैसे अपराध शामिल हैं।लोगों के मन में खौफ पैदा करना है मकसद?

लॉरेंस बिश्नोई के अलावा, थ्ठप् ने गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा का भी नाम लिया है। बताया गया है कि वे उसके मुख्य सहयोगी (मदपवत सपमनजमदंदजे) के रूप में काम करते थे और अलग–अलग देशों में मौजूद गिरोह के सदस्यों और साथियों को निर्देश देने में मदद करते थे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ये गिरोह बड़े पैमाने पर हिंसा करते हैं और ऑनलाइन जिम्मेदारी लेते हैं ताकि लोगों के मन में डर पैदा किया जा सके, खासकर भारत में और विदेशों में रह रहे भारतीय समुदायों के बीच। फिर, वे इसी डर का फायदा उठाकर लोगों से जबरन वसूली करते हैं।मेरिकी अभियोजकों ने जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का जिक्र किया, जिसे बिश्नोई गैंग ने अंजाम दिया था। थ्ठप् ने इस आपराधिक नेटवर्क को अंतरराष्ट्रीय कोकीन तस्करी और प्रतिद्वंद्वी आपराधिक समूहों की नशीले पदार्थों की खेप चुराने के मामलों से जोड़ा है।डी–कंपनी की तरह काम करता है लॉरेंस बिश्नोई गैंग?

गैंगस्टरों की जांच करने वाले भारतीय जांचकर्ताओं के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट एक ऐसा नेटवर्क है जो अलग–अलग देशों में फैला हुआ है। इसमें जेल में बंद गैंगस्टर, विदेशों से काम करने वाले हैंडलर, स्थानीय शूटर और फाइनेंसर शामिल हैं।नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (छप्।) ने मार्च 2023 की एक चार्जशीट में बताया है कि कैसे उत्तर भारत के गैंगस्टर खालिस्तान–समर्थक तत्वों से भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

एजेंसी ने 2015 के बरगारी आंदोलन और 2016 की नाभा जेल ब्रेक की घटना को इस नेटवर्क के विस्तार में अहम पड़ाव माना है। खालिस्तान–समर्थक तत्वों को अनुभवी शूटरों, हथियारों और लॉजिस्टिक सपोर्ट की जरूरत थी, जबकि गैंगस्टरों को अत्याधुनिक हथियारों और फंडिंग के नए स्रोतों की तलाश थी। यहीं पर बिश्नोई गैंग ने मदद की पेशकश की।

एजेंसी ने बताया कि बिश्नोई सिंडिकेट पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड तक फैला हुआ है।

आपराधिक गतिविधियों से जुटाया गया पैसा कनाडा, अमेरिका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भेजा जाता था, ताकि वहां मौजूद गैंग के सदस्यों की मदद की जा सके।

एजेंसी ने इस नेटवर्क की पहुंच और संपर्कों की तुलना 1990 के दशक में दाऊद इब्राहिम की 'डी–कंपनी' से जुड़े अंडरवर्ल्ड मॉडल से की है।

पुलिस क सामने क्यों चुनौती है ये गैंग?अनिल पंडित और पूरे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नेटवर्क का काम टाइगर श्रॉफ और अन्य बड़ी हस्तियों को निशाना बनाना, भारतीय एजेंसियों के सामने बड़ी चुनौती को दर्शाता है। इसके पीछे कारण यह है कि इन गतिविधियों को चलाने वाले हैंडलर देश के बाहर से काम करते हैं, जबकि उनके द्वारा काम पर रखे गए हजारों शूटर स्थानीय स्तर पर हमलों को अंजाम देते हैं। ये शूटर ज्यादातर बेरोजगार युवा होते हैं जिन्हें ऑनलाइन भर्ती किया जाता है। इन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं होती कि इनके हैंडलर कहां हैं या पूरा ऑपरेशन कैसे चल रहा है। इन्हें बस पैसे और हथियार मिल जाते हैं, और ये अपराध की दुनिया में अपना नाम बनाने के लिए हमलों को अंजाम देते हैं।

नींद में बड़बड़ाना, सिर्फ एक आम आदत या किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत?

नींद में बोलना या बड़बड़ाना एक आम समस्या है, जिसे मेडिकल भाषा में 'सोमनिलोकी' कहा जाता है। इसमें व्यक्ति सोते समय कुछ शब्द बोल सकता है, अधूरे वाक्य कह सकता है या कभी–कभी जोर से चिल्ला भी सकता है। अक्सर व्यक्ति को सुबह उठने पर याद नहीं रहता कि उसने रात में क्या कहा था। आमतौर पर यह समस्या गंभीर नहीं होती, लेकिन यदि यह बार–बार हो या इसके साथ अन्य लक्षण दिखाई दें, तो इस पर ध्यान देना जरूरी है। डॉ. समीर भार्गव, मनोचिकित्सक, श्ध्ह्ल्ष् गुरुग्राम बता रहे कि ये नॉर्मल है या किसी बीमारी का संकेत। नींद में बड़बड़ाने के क्या कारण हो सकते हैं?

साइकेट्रिस्ट के अनुसार, नींद में बड़बड़ाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव, चिंता, नींद की कमी और अनियमित डेली रूटीन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। जब व्यक्ति अधिक तनाव में होता है या किसी बात को लेकर लगातार सोचता रहता है, तो उसकी नींद प्रभावित हो सकती है। इसका असर कभी–कभी नींद के दौरान बोलने के रूप में भी दिखाई देता है। इसके अलावा, बुखार, कुछ दवाओं का असर, शराब का सेवन और नींद से जुड़ी अन्य समस्याएं भी इसका कारण बन सकती हैं। बच्चों में नींद के दौरान बड़बड़ाना सामान्य है और उम्र बढ़ने के साथ यह कम भी हो सकता है।क्या यह किसी मानसिक बीमारी का संकेत है?नींद में बड़बड़ाने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति किसी मानसिक बीमारी से पीड़ित है। हालांकि, यदि इसके साथ लगातार चिंता, उदासी, चिड़चिड़ापन, डर या व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दें, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना सही है। कुछ मामलों में नींद में बोलना अन्य नींद संबंधी विकारों के साथ भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि व्यक्ति सोते समय चिल्लाता है, हाथ–पैर चलाता है, डरकर उठ जाता है या अपने सपनों के अनुसार शारीरिक गतिविधियाँ करता है, तो इसकी जाँच जरूरी हो सकती है। इसके अलावा, यदि खर्राटों के साथ साँस रुकने जैसी समस्या हो, तो स्लनियमित रखना जरूरी है। वयस्कों को आमतौर पर प्रतिदिन सात से नौ घंटे की नींद लेनी चाहिए। सोने से पहले मोबाइल फोन का इस्तेमाल कम करना, कैफीन का सेवन सीमित मात्रा में करना और तनाव कम करने के लिए ध्यान या गहरी सांस लेने जैसे अभ्यास करना भी मददगार हो सकता हैकब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए? यदि नींद में बड़बड़ाने की समस्या अचानक शुरू हो, बार–बार होने लगे, नींद की गुणवत्ता प्रभावित करे या इसके साथ चिल्लाना, हिंसक गति, विधियां, चोट लगना अथवा दिन में अत्यधिक नींद आना जैसे लक्षण हो, तो डॉक्टर से संपर्क करें। जरूरत पड़ने पर साइकेट्रिस्ट या नींद संबंधी विकारों के विशेषज्ञ आगे की जांच की सलाह दे सकते हैं। नींद में बड़बड़ाना हमेशा किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। सही दिनचर्या, पर्याप्त नींद और तनाव पर नियंत्रण से इसमें सुधार हो ीप एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए।नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें?इस समस्या को कम करने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना और सोने–जागने का समय ीप एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए।नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें?इस समस्या को कम करने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना और सोने–जागने का समय सकता है। हालांकि, लगातार बने

क्या गर्भावस्था के दौरान यात्रा करना सुरक्षित है? अगर हां, जरूर बरतें ये सावधानियां

मां बनना जीवन के सबसे खूबसूरत और अनमोल अनुभवों में से एक है. कई संस्कृतियों और समाजों में इसे एक बहुत बड़ा आशीर्वाद माना जाता है. यह सफर एक महिला को मातृत्व के गहरे स्नेह, त्याग और असीम प्रेम से परिचित कराता है. यह एक ऐसा अनमोल उपहार है, जिसे पाने की चाह कई महिलाओं में होती है. जैसे ही किसी महिला को पता चलता है कि वह गर्भवती है, वह कई तरह की सावधानियां बरतने लगती है.

बहुत सी महिलाएं गर्भावस्था के दौरान यात्रा करने से बचती हैं (आपातकालीन स्थितियों को छोड़कर) क्योंकि उन्हें डर होता है कि इससे उनके होने वाले बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है. ऐसे में जानिए कि क्या गर्भावस्था के दौरान यात्रा करना सुरक्षित है? अगर हां, तो क्या सावधानियां बरतनी चाहिए...

क्या गर्भावस्था के दौरान यात्रा की जा सकती है?विशेषज्ञों का कहना है कि गर्भावस्था कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है. अगर उस समय शरीर और स्वास्थ्य साथ दे तो कोई भी कुछ भी कर सकता है. इसके अलावा ऐसा करने से गर्भवती महिला अधिक सक्रिय रह सकेगी. काम के अलावा आप गर्भावस्था के दौरान यात्रा भी कर सकती हैं, लेकिन पहले डॉक्टर से सलाह लें. इसके अलावा यात्रा करने वाली गर्भवती महिलाओं को भी कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए. रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र भी यही कहता है.गर्भावस्था के दौरान यात्रा करते समय बरती जाने वाली सावधानियांछ्भै्न्ज्ञ वेबसाइट के अनुसार, गर्भवती महिलाओं में मतली और उल्टी आम है. कुछ महिलाओं को इन लक्षणों का अनुभव केवल पहले तीन महीनों तक ही हो सकता है, जबकि अन्य को कई महीनों तक इनका सामना करना पड़ सकता है. यात्रा के दौरान ऐसी समस्याओं से बचने के लिए आसानी से पचने वाला पौष्टिक भोजन कम मात्रा में लेना चाहिए. सफर के दौरान हल्का खाना खाना बेहतर है.

यात्रा के दौरान हमेशा अपनी गर्भावस्था रिपोर्ट, डॉक्टर के नुस्खे और दवाएं अपने साथ रखें. इससे आपात स्थिति में आप तुरंत नजदीकी अस्पताल से संपर्क कर उचित इलाज करा सकेंगे.यात्रा के दौरान हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें. बीच–बीच में नारियल पानी पीना अच्छा रहता है. इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होती है और तुरंत ऊर्जा भी मिलती है.

यात्रा के दौरान टाइट कपड़ों की जगह ढीले और आरामदायक कपड़े पहनना बेहतर होता है. इससे आपक. ो बैठने में भी कोई असुविधा नहीं होगी.सैंडल की जगह फ्लैट जूते चुनने से आपको चलने में आसानी होगी.अगर आप यात्रा के बीच में टॉयलेट जाते हैं तो अपने साथ हैंडवॉश की एक छोटी बोतल ले जाना न भूलें. ताकि आप टॉयलेट के दरवाजे को छूने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह से धो सकें.

समय–समय पर अपने हाथों को सैनिटाइज करना जरूरी है.

कार से यात्रा करने वाली महिलाओ. ं को सलाह दी जाती है कि वे अपनी सीट बेल्ट बांध लें, यात्रा के बीच में किसी शांत जगह पर वाहन रोकें, थोड़ी देर आराम करें और यात्रा की थकान दूर करने के लिए 5 मिनट तक पैदल चलें.

आपको किस समस्या के साथ यात्रा नहीं करनी चाहिए?

कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को यात्रा न करने की सलाह दी जाती है. विशेषज्ञों का कहना है कि जिन महिलाओं को पहले गर्भपात या समय से पहले प्रसव हुआ हो, गर्भाशय की कोई समस्या, गर्भावस्था के शुरुआती

जॉइंट–फ्रेंडली इंडियन प्लेट कैसी दिखती है? जानें क्या कहते हैं डाइटीशियन

घुटनों में अकड़न, कूल्हों में दर्द और उंगलियों में परेशानी को अक्सर बढ़ती उम्र का एक सामान्य हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है. हालांकि, विशेषज्ञ इन लक्षणों को अनदेखा न करने की सलाह देते हैं, क्योंकि ये आर्थराइटिस या ऑस्टियोआर्थराइटिस के शुरुआती संकेत हो सकते हैं. कई लोग, जब उन्हें पता चलता है कि उन्हें आर्थराइटिस है, तो वे अपने खान–पान में बदलाव करके इसे नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं. लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि केवल खान–पान में बदलाव से आर्थराइटिस ठीक नहीं हो सकता, और न ही यह मेडिकल इलाज की जगह ले सकता है.

सर एन.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में न्यूट्रिशन और डायटेटिक्स विभाग की प्रमुख, डॉ. आइलीन कैंडी बताती हैं कि एक संत. ुलित भारतीय आहार फिर भी फायदेमंद हो सकता है, संतुलित भारतीय डाइट शरीर का वजन सही बनाए रखने, मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत रखने, और शरीर में सूजन या इन्फ्लेमेशन को कम करने में मदद करता है, क्योंकि सूजन जोड़ों के दर्द को और बढ़ा सकती है. अच्छी बात यह है कि जोड़ों की सेहत के लिए मददगार आहार में किसी बहुत ही खास या दुर्लभ चीज की जरूरत नहीं होती है. इसमें आसानी से मिलने वाले रोजमर्रा के भारतीय खाद्य पदार्थ शामिल हो सकते हैं. जैसे कि...रंग–बिरंगी सब्जियां शामिल करें– अपनी थाली का आधा हिस्सा रंग–बिरंगी सब्जियों से भरें, जैसे कि पालक, मेथी, गाजर, चुकंदर, कद्दू, शिमला मिर्च और टमाटर. इनमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ८ और

कैरोटीनॉयड होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करते हैं. कार्टिलेज का मुख्य हिस्सा कोलेजन होता है, जिसे बनने के लिए विटामिन ८ की जरूरत होती है. जोड़ों की सेहत के लिए अपने आहार में आंवला, अमरूद, खट्टे फल और बेरीज जैसे मौसमी फलों को शामिल करें.

रिफाइंड अनाज की जगह साबुत अनाज चुनें– पॉलिश किए हुए चावल और मैदे की जगह ज्वार, बाजरा, रागी, साबुत गेहूं या ब्राउन राइस जैसे अनाज खाएं. इनमें मौजूद फाइबर ब्लड शुगर लेवल को स्थिर रखने और आंतों की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है. इसके विपरीत, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट से भरपूर आहार वजन बढ़ाने और शरीर में सूजन (इन्फ्लेमेशन) बढ़ाने का कारण बन सकता है.

पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन लें– आपकी मांसपेशियां जोड़ों के लिए 'शॉक एब्जॉर्बर' का काम करती हैं, इसलिए उन्हें मजबूत रखना बहुत जरूरी है. अपने हर मुख्य भोजन में दालें, राजमा, छोले, अंकुरित अनाज, पनीर, दही, अंडे, मछली या लीन चिकन शामिल करें. शाकाहारी लोग दालों को अनाज और डेयरी उत्पादों के साथ मिलाकर प्रोटीन की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं.पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स का सेवन– पर्याप्त मात्रा में विटामिन व, कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन ढ और विटामिन ञ्ञ लें, क्योंकि ये सभी मांसपेशियों और हड्डियों की सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं. दूध, दही, छाछ, पनीर, रागी, तिल और हरी पत्तेदार सब्जियों में कैल्शियम, विटामिन व और मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं. भारत में भरपूर धूप होने के बावजूद, बहुत से लोग विटामिन व की कमी से जूझ रहे हैं. इसलिए, अपने विटामिन व के स्तर की जांच जरूर करवाएं. नट्स, बीज और फलियां मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत हैं. कोई भी सप्लीमेंट लेने से पहले हमेशा ेक्टर से सलाह लें.

अपने आहार में हेल्दी फैट्स शामिल करें– ओमेगा–3 फैटी एसिड जैसे हेल्दी फैट्स शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं. इसके अच्छे स्रोतों में फैटी फिश (जैसे सार्डिन, मैकेरल और सैल्मन) के साथ–साथ अखरोट, अलसी के बीज और चिया सीड्स शामिल हैं. खाना पकाने के तेल का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करें और केवल एक ही तरह के तेल पर निर्भर रहने के बजाय, अलग–अलग तरह के तेलों का इस्तेमाल करें.

सही मसालों का चुनाव करें– हल्दी, अदरक और लहसुन में एंटी–इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं और ये ज्यादातर भारतीय रसोई में पहले से ही मौजूद होते हैं. इन्हें अपने भोजन में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है, लेकिन ये मेडिकल इलाज का ऑप्शन नहीं हैं.फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड को सीमित करें– ऐसी चीजों का सेवन कम करें जो

जिम में की जाने वाली कौन सी आम एक्सरसाइज या वर्कआउट की गलतियां रीढ़ की हड्डी पर बेवजह दबाव डाल सकती हैं, खासकर जब एक्सरसाइज...

रेगुलर एक्सरसाइज से मसल्स मजबूत होती हैं, मोबिलिटी बेहतर होती है और पूरी हेल्थ बनी रहती है. लेकिन, जब एक्सरसाइज में भारी वजन, गलत टेक्निक, या ऐसी एक्टिविटीज शामिल होती हैं जो किसी व्यक्ति की फिजिकल कैपेसिटी से ज्यादा होती हैं, तो इससे स्पाइन पर बेवजह दबाव पड़ सकता है. एक्सरसाइज के दौरान स्पाइन को सुरक्षित रखने और चोट से बचने के लिए, सही फार्म, सही पोस्चर बनाए रखना और पूरी फिजिकल तैयारी पक्का करना जरूरी है. गलत तरीके से वर्कआउट करने या अपनी कैपेसिटी से ज्यादा वजन उठाने से पीठ दर्द, साइटिका, या स्लिप्ड डिस्क जैसी गंभीर दिक्कतें हो सकती हैं.

मुंबई के सैफी अस्पताल में सलाहक. ार स्पाइन सर्जन डॉ. अमित शर्मा का कहना है कि जिम वर्कआउट के दौरान गलत तरीके से एक्सरसाइज करने से रीढ़ की हड्डी पर बहुत अधिक दबाव पड़ सकता है. डेडलिफ्ट, स्क्वैट्स, ओवरहेड प्रेस और भारी वजन उठाने वाली अन्य एक्सरसाइज अगर गलत तकनीक से की जाएं, तो इनमें रीढ़ की हड्डी में चोट लगने का सबसे ज्यादा खतरा होता है. जानिए कैसे...

इस एक्सरसाइज में टेक्निक पर बहुत ध्यान देने की जरूरत

डेडलिफ्ट एक ऐसी एक्सरसाइज है जिसमें टेक्निक पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है. इसमें कई मसल ग्रुप शामिल होते हैं, जिनमें पीठ और हिप्स को सपोर्ट करने वाले मसल ग्रुप भी शामिल हैं. हालांकि, स्पाइनल अलाइनमेंट को ठीक से बनाए बिना भारी वजन उठाने से स्पाइन पर मैकेनिकल स्ट्रेस बढ़ सकता है. बहुत

तेजी से रिपीटिशन करना, लोड के नीचे पीठ को गोल होने देना, या अपनी कैपेसिटी से ज्यादा वजन उठाने की कोशिश करने से चोट लगने का रिस्क बढ़ सकता है. डेडलिफ्ट अपने आप में नुकसानदायक नहीं है. सही टेक्निक, सही लोड और प्रोग्रेसिव अप्रोच के साथ, कई लोग इसे सेफ तरीके से कर सकते हैं.सही तकनीक पर करें फोकसजब लोग सही तकनीक के बजाय केवल वजन उठाने की मात्रा को ज्यादा अहमियत देते हैं, तो भारी वजन उठाना समस्या बन सकता है. बिना पूरी तैयारी, देखरेख या धीरे–धीरे वजन बढ़ाने की प्रक्रिया के भारी बोझ उठाने की कोशिश करने से पीठ पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ सकता है. इसके अलावा, लिफ्टिंग बेल्ट जैसे उपकरणों का इस्तेमाल करने से भी गलत तकनीक की भरपाई नहीं हो सकती, और न ही यह किसी ऐसे बोझ को उठाना सुरक्षित बना सकता है जिसे उठाना सही नहीं है.वजन उठाते समय न करें ये कामवजन उठाते समय शरीर को अचानक झटका देना या मोड़ना आम गलतियां हैं. ऐसी हरकतें रीढ़ की हड्डी पर जोर डाल सकती हैं, खासकर ऐसी एक्सरसाइज के दौरान जिनमें झुकना और घूमना होता है. यह खतरा उन लोगों के लिए और भी ज्यादा होता है जिन्हें पहले से डिस्क से जुड़ी समस्याएं हैं या जिन्हें हाल ही में रीढ़ की हड्डी में चोट लगी है. दर्द होने के बावजूद एक्सरसाइज करते रहनायह एक चिंता का विषय है, कुछ जिम जाने वाले मानते हैं कि दर्द के बावजूद एक्सरसाइज करने से उनकी पीठ मजबूत होगी या ठीक होने में मदद मिलेगी. हालांकि, लगातार या बिगड़ता दर्द किसी ऐसी चोट का संकेत हो सकता है जिसके लिए प्रोफेशनल जांच की जरूरत है. असली कारण का पता लगाए बिना एक्सरसाइज करते रहने से लक्षण बढ़

दिल्ली कैपिटल्स में युवराज–गांग. ुली और चमिंडा के बाद एक और पूर्व क्रिकेटर की हुई एंट्री

दिल्ली कैपिटल्स (क्) ने प्ल्स 2027 से पहले अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव का सिलसिला जारी रखा है. युवराज सिंह, सौरव गांगुली औ चमिंडा वास के बाद फ्रेंचाइजी ने अब अमित मिश्रा को कोचिंग स्टाफ में शामिल किया है. अमित मिश्रा को दिल्ली कैपिटल्स का स्पिन–बॉलिंग कोच नियुक्त किया गया है. इस के साथ, मिश्रा उसी फ्रेंचाइजी में एक नई भूमिका के साथ वापस लौटे हैं, जहां से उन्होंने अपने प्ल्स सफर की शुरुआत की थी. 43 वर्षीय मिश्रा अब पहली बार प्ल्स में कोचिंग की जिम्मेदारी संभालेंगेफ्रेंचाइजी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी. टीम के एक्स हैंडल द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में अमित मिश्रा ने कहा 'हम दिल्ली के फैंस को वह खुशी देने की कोशिश करेंगे, जिसका वे इतने सालों से इंतजार कर रहे हैं. ' बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स 2026 में छठे स्थान पर रही थी. इस टीम ने अभी तक प्ल्स का खिताब नहीं जीता है.अमित मिश्रा का प्ल्स करियरअमित मिश्रा के प्ल्स करियर की शुरुआत 2008 में बहुत यादगार रही थी, जब उन्होंने अपने पहले ही मैच में 5 विकेट लिए थे. इस शानदार प्रदर्शन के दौरान उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी 3 हैट्रिक में से पहली हैट्रिक भी ली थी. इसके बाद उन्होंने 2011 और 2013 में भी हैट्रिक ली.

घरेलू क्रिकेट में हरियाणा के लिए खेलने वाले मिश्रा के नाम प्ल्स के इतिहास में सबसे ज्यादा हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड है. मिश्रा ने 2008 से 2024 के बीच (2022 को छोड़कर) हर प्ल्स सीजन में हिस्सा लिया. इस दौरान वे दिल्ली कैपिटल्स (जिसे पहले डेयरडेविल्स के नाम से जाना जाता था), डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसी टीमों का हिस्सा रहे.उन्होंने अपना आखिरी प्ल्स मैच 2024 में रैळ के लिए खेला. अपने प्ल्स करियर में उन्होंने 162 मैचों में 174 विकेट लिए और उनकी इकोनॉमी रेट 7.37 रही. इसके अलावा मिश्रा ने 2003 से 2017 के बीच भारत के लिए सभी फॉर्मेट में क्रिकेट खेला – जिसमें 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 ज्20प् मैच शामिल हैं. प्ल्स 2027 के लिए क् के कोचिंग सेटअप में सौरव गांगुली को हेड कोच, युवराज सिंह को बैटिंग कोच, चिमंडा वास को तेज बॉलिंग कोच और अमित मिश्रा को स्पिन बॉलिंग

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से झूमा बाजारय सेंसेक्स 1,533 अंक उछला, निफ्टी 23,000 के पार बंद

मुंबईः भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को जबरदस्त रौनक देखने को मिली. वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और मजबूत घरेलू सेंटिमेंट के दम पर घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स भारी बढ़त के साथ बंद हुए. इस तेजी से निवेशकों की चिंताएं काफी हद तक कम हुई हैं.

गुरुवार के कारोबारी सत्र में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,533.72 अंक की भारी बढ़त के साथ 74,315.61 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 374.65 अंक चढ़कर 22,997.35 के स्तर पर सेटल हुआ. हालांकि, निफ्टी ने इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान 23,000 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर लिया था, लेकिन क्लोजिंग बेल तक यह इससे मामूली नीचे रहा.

सेक्टर्स का हालः प्ज और प्राइवेट बैंकों में रही धूम

आज के कारोबार में निफ्टी के शेयरों में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा मुनाफे वाले शेयर रहे. सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें तो निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी आईटी (प्ज) इंडेक्स में सबसे ज्यादा खरीदारी देखी गई. इसके विपरीत, निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स का प्रदर्शन सबसे खराब रहा.छोटे और मझोले शेयरों पर रहा दबावमुख्य सूचकांकों में भारी तेजी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में सुस्ती रही. गुरुवार को निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.36ः की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 1.31ः तक टूटकर बंद हुआ.

मजबूत हुआ भारतीय रुपया

शेयर बाजार की शानदार तेजी और डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी के चलते आज भारतीय रुपये में भी मजबूती देखी गई. रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे मजबूत होकर 95.05 के स्तर पर बंद हुआ.

निफ्टी के लिए क्या हैं महत्वपूर्ण टेक्निकल लेवल्स?

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, निफ्टी ने आज ऊंचे स्तर पर ओपनिंग के बाद 'हायर हाई और हायर लो' का पैटर्न बनाया, जो बाजार में मजबूत खरीदारी और बुल्स की वापसी का संकेत है. एक्सपर्ट्स के अनुसार, 23,000 से 23,100 का दायरा निफ्टी के लिए तत्काल रेजिस्टेंस जोन है. अगर निफ्टी इस लेवल के ऊपर टिकने में कामयाब होता है, तो बाजार में तेजी और बढ़ सकती है, जो इसे 23,300 से 23,400 के स्तर तक ले जा सकती है. नीचे की तरफ यदि निफ्टी 22,800 के स्तर को बनाए रखने में विफल रहता है, तो बाजार में दोबारा बिकवाली का दबाव दिख सकता है. ऐसी स्थिति में इंडेक्स 22,600 से 22,500 के सपोर्ट जोन तक फिसल सकता है.

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि

'न्यूजीलैंड की पिच पर भुवी खतरनाक साबित होंगे', भुवनेश्वर की वापसी पर अय्यर–सेंटनर ने दिया बड़ा बयान

: टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार चार साल बाद नेशनल टी20 टीम में वापसी की है. ठब्ब् की सिलेक्शन कमेटी ने 36 वर्षीय तेज गेंदबाज को प्ल्स और घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने का इनाम दिया. भुवनेश्वर ने त्ब्ठ के लगातार दो बार खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी. जिसके वजह से भुवी को न्यूजीलैंड के खिलाफ 22 अक्टूबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया. खास बात ये है कि भुवी अपनी वापसी उसी टीम के खिलाफ करेंगे जिसके खिलाफ उन्होंने अपना आखिरी मैच 2022 में खेला था.

इससे पहले भुवनेश्वर को वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई घरेलू सिरीज के पांचवें टी20 मैच में भी बुला लिया गया था. लेकिन बारिश की वजह से वो मैच रद्द कर दिया गया. जिसमें भारत को गेंदबाजी का मौका ही नहीं मिल सका. अब भुवनेश्वर कुमार एक बार फिर टीम इंडिया की तेज गेंदबाजी को लीड करते हुए नजर आएंगे. जिसमें उनका साथ प्रिंस यादव, मयंक यादव और अर्शदीप सिंह देंगे.टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यरटीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर (६।छै)

भुवी गेंदबाजी में अनुभव की कमी को पूरा करेंगेसीरीज के पहले टी20 मैच से पहले भुवी की वापसी पर दोनों टीमों के कप्तानों ने खुलकर बात की. टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि भुवी भारतीय गेंदबाजी में अनुभव की कमी को पूरा करेंगे. अय्यर ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'भुवी की वापसी से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को काफी अनुभव मिलेगा. आईपीएल के बाद हमें इसकी कमी खल रही थी क्योंकि टीम में काफी नए तेज गेंदबाजों को शामिल किया गया. भुवनेश्वर ने पिछले दो वर्ष में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है. इसलिए वह जानते हैं कि इस प्रारूप में दबदबा बनाने के लिए क्या करना होता है.'

श्रेयस अय्यर और मिशेल सेंटनर

श्रेयस अय्यर और मिशेल सेंटनर (६।छै)भुवी न्यूजीलैंड की पिच पर खतरनाक हो सकते हैंवहीं न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने कहा कि भुवनेश्वर को यहां की परिस्थितियां पसंद आएंगी. सेंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियां भुवी को बहुत पसंद आएंगी. अगर पिच से थोड़ी भी मदद मिलती है, तो वह उसका फायदा उठा सकते हैं. भारत में कुछ सपाट पिचों पर भी उन्होंने गेंद को स्विंग कराने में कामयाबी हासिल की थी. इसलिए मुझे लगता है कि यहां उनका सामना करना न्यूजीलैंड के लिए एक चुनौती होगी.'

वैभव के लिए खास प्लान तैयार

न्यूजीलैंड के कप्तान ने वैभव सूर्यवंशी के बारे मे भी बात की और कहा कि अगर वो पहले मैच में खेलते है तो हमने उस युवा बल्लेबाज के लिए भी रणनीति तैयार की है. लेकिन भारतीय कप्तान ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ साफ ये संकेत दे दिया है कि वैभव को प्लेइंग–11 में सीधे जगह नहीं मिल सकती है, क्योंकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन शानदार खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं.

बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावटः बिकवाली के दबाव में लाल निशान में बंद हुए सेंसक्स और निफ्टी

मुंबईः भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है. बुधवार को बाजार की शुरुआत तो बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन निवेशकों की भारी बिकवाली के कारण यह तेजी टिक नहीं सकी. मुख्य इंडेक्सक्रुसेंसक्स और निफ्टीक्र मामूली गिरावट के साथ बंद हुए. लेकिन सबसे ज्यादा मार छोटे और मंझोले शेयरों (स्मॉलकैप और मिडकैप) पर पड़ी है.बाजार के मुख्य आंकड़ेकारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का मुख्य सूचकांक सेंसक्स 143.21 अंक गिरकर 73,709.69 पर बंद हुआ. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 77.60 अंक की कमजोरी के साथ 22,811.35 पर आ गयाम्जअ ठींतंजआज का बाजार (म्जअ ठींतंज)स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में भारी गिरावट

आज के कारोबार में सबसे बड़ी चिंता ब्रोडर मार्केट को लेकर रही. निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 2.37ः की भारी गिरावट आई. इसके साथ ही निफ्टी मिडकैप 100 भी 1.56ः टूट गया. विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शेयरों के ऊंचे वैल्यूएशन को देखते हट्टूटने वाले शेयरों में शामिल रहे.

म्जअ ठींतंजआज के चढ़ने वाले प्रमुख शेयर (म्जअ ठींतंज)

आगे क्या है तकनीकी आउटलुक?

बाजार के जानकारों का कहना है कि निफ्टी के लिए 23,000 का स्तर पार करना बेहद जरूरी है. जब तक निफ्टी इसके ऊपर नहीं टिकता, बाजार पर दबाव बना रहेगा. नीचे की तरफ 22,650 से 22,600 का स्तर एक मजबूत सपोर्ट (सहारा) का काम करेगा. अगर निफ्टी 22,600 के नीचे फिसलता है, तो गिरावट बढ़ सकती है और यह 22,300 तक जा सकता है.गिरावट की मुख्य वजहें

ुए छोटे निवेशकों ने मुनाफावसूली की है, जिससे बाजार में घबराहट का माहौल बना.सेक्टरवार प्रदर्शनः प्ज सेक्टर ने बचाया, ऑटो–मेटल पिछड़ेआज के उतार–चढ़ाव भरे बाजार में आईटी (प्ज) सेक्टर ने संजी. वनी का काम किया. निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.2ः से ज्यादा बढ़कर बंद हुआ. एचसीएल टेक, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा जैसे बड़े शेयरों में 3ः से ज्यादा की तेजी रही. इसके विमाहौल बना.सेक्टरवार प्रदर्शनः प्ज परीत ऑटो, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और केमिकल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा कमजोरी देखी गई. निफ्टी के बड़े शेयरों में बजाज फाइनेंस, बीएसई लिमिटेड और एटरनल सबसे ज्यादा टूटने वाले शेयरों में शामिल रहे.

म्जअ ठींतंजआज के चढ़ने वाले प्रमुख शेयर (म्जअ ठींतंज)

आगे क्या है तकनीकी आउटलुक?

बाजार के जानकारों का कहना है कि निफ्टी के लिए 23,000 का स्तर पार करना बेहद जरूरी है. जब तक निफ्टी इसके ऊपर नहीं टिकता, बाजार पर दबाव बना रहेगा. नीचे की तरफ 22,650 से 22,600 का स्तर एक मजबूत सपोर्ट (सहारा) का काम करेगा. अगर निफ्टी 22,600 के नीचे फिसलता है, तो गिरावट बढ़ सकती है और यह 22,300 तक जा सकता है.गिरावट की मुख्य वजहें

बाजार में इस गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं. अंत. रराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) का भाव फिर से 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिससे महंगाई बढ़ने का डर है. इसके अलावा, रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स के ऐतिहासिक आईपीओ (प्च्व्) में भारी निवेश के कारण भी बाजार से नकदी (कैश) का फ्लो प्रभावित हुआ है. आने वाले दिनों में कंपनियों के तिमाही नतीजे और विदेशी निवेशकों का रुख बाजार की दिशा तय करेंगे.

पाकिस्तान बाहर बांग्लादेश अंदर

हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 का मेजबान भारत है. इसलिए टूर्नामेंट में पाकिस्तान हॉकी टीम के भाग लेने पर शुरू से खतरा मंडरा रहा था. हालांकि पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए पाकिस्तान की भागीदारी का दावा किया था. लेकिन इसके दो दिन बाद ही पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत में खेलने से इनकार कर दिया और अपने मैच को न्यूट्रल स्थान पर कराने की मांग की थी, जिसे खारिज कर दिया गया.

पाकिस्तान बाहर बांग्लादेश अंदर

न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल कर लिया है. हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश भाग लेंगे.बता दें कि मुंबई में 2008 के आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय हॉकी नहीं खेली गई है. पाकिस्तान ने आखिरी बार भारत में 2023 एशियाई चौम्पियंस ट्रॉफी खेली थी. जिसमें छह टीमों में वह पांचवें स्थान पर रहा था. पिछले साल भारत में हुए एशिया कप और जूनियर एशिया कप में भी पाकिस्तान ने भाग नहीं लिया था. जबकि भारतीय हॉकी टीम आखिरी बार 2006 में पाकिस्तान में सीरीज खेली थी.

टाइगर श्रॉफ के नाम गढ़ी गई झूठी कहानियां, बने |P वीडियो, हमले के बाद एक्टर का आया पहला बयान, बोले– पैसे कमाने के लिए...

हैदराबादः जुहू में 18 अक्टूबर को बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ फायरिंग हुई थी. इस घटना के दो दिन बाद टाइगर श्रॉफ की ओर से ऑफिस एक आधिकारिक बयान जारी किया है. इसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि घटना के बाद सोशल मीडिया पर उनकी ओस से कोई बयान या वीडियो जारी नहीं किया है. साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी है कि गोलीबारी की घटना के बाद उनके नाम से फर्जी खबरें, एआई से बने वीडियो या कोई भी अनऑथराइज्ड कंटेंट बनाने या फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

20 अक्टूबर को दशहरा के शुभ अवसर पर टाइगर श्रॉफ की टीम की ओर से एक आधिकारिक बयान इंस्टाग्राम पर अपलोड किया गया, जिसे एक्टर की मां आयशा श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया था. बयान की शुरुआत में टीम ने एक्टर की फेक बयान पर सफाई दी है. बयान में लिखा गया है, 'हम स्पष्ट रूप से यह बताना चाहते हैं कि हाल ही में हुई घटना या उससे जुड़ी किसी भी बात को लेकर टाइगर श्रॉफ ने न तो कोई बयान दिया है, न ही कोई वीडियो जारी किया है और न ही किसी तरह की कोई बात कहने के लिए ऑथेराइज्ड किया है.'

फेक कंटेंट के बारे में जानकारी देते हुए बयान में आगे लिखा गया है, 'हमारे संज्ञान में आया है कि कई सोशल मीडिया पेज और डिजिटल प्लेटफॉर्म, टाइगर के नाम से झूठी कहानियां, एआई से बने वीडियो और मनगढ़ंत बातें फैला रहे हैं. ये पूरी तरह से झूठी और अनऑथराइज्ड हैं. जिनका मकसद जनता को गुमराह करना है. हम इस तरह के कंटेंट का समर्थन नहीं करते हैं और न ही हमारा इससे कोई लेना–देना है.'

बयान के जरिए टीम ने लोगों से अपील करते हुए कहा है, 'हम डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पेजों से अपील करते हैं कि वे जिम्मेदारी से काम लें, किसी भी जानकारी को पब्लिश करने से पहले उसकी पुष्टि करें, और केवल एंगेजमेंट या पैसे कमाने के लिए गलत जानकारी न फैलाएं.'

बयान के आखिरी में टीम ने झूठी खबरें बनाने, फैलाने और बढ़ाने वालों को सख्त चेतावनी दी है. बयान में लिखा गया है, 'जो भी व्यक्ति या पेज ऐसा झूठा कंटेंट बनाता, बढ़ावा देता या फैलाता हुआ पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. हम इन मामलों पर नजर रख रहे हैं और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सभी जरूरी कानूनी कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं. हम सभी से अनुरोध करते हैं कि वे केवल टाइगर श्रॉफ और उनकी ऑफिशियल टीम की ओर से दी गई वेरिफाइड जानकारी पर ही भरोसा करें.'आईएएनएस के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच के सूत्रों के अनुसार, टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले के आरोपियों ने 18 अक्टूबर को

टाइगर श्रॉफ पर हमले से पहले हमलावरों ने की थी अमिताभ बच्चन, सलमान खान के घर की रेकी, बिग बी बोले– क्षमा प्रार्थी...

हैदराबादः बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले ने फिल्मी सितारों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. इस बीच, एक नई जानकारी सामने आई है. खबर है कि टाइगर श्रॉफ पर गोली चलाने से पहले हमलावरों ने अमिताभ बच्चन और सलमान खान सहित कई बॉलीवुड हस्तियों के घरों की रेकी (निगरानी) की थी. इस खबर के बाद अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने चाहने वालों को बताया कि वे कुछ दिनों के लिए ब्रेक ले रहे हैं.

आईएएनएस के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच के सूत्रों के अनुसार, टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले के आरोपियों ने 18 अक्टूबर को 'बागी' एक्टर पर हमला करने से पहले अमिताभ बच्चन और सलमान खान सहित कई बॉलीवुड हस्तियों के घरों की रेकी (निगरानी) की थी.

रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि आरोपियों को उन हस्तियों को निशाना बनाने के लिए कहा गया था, जिनकी सुरक्षा व्यवस्था उतनी कड़ी नहीं थी. खबरों के मुताबिक, कई ऑटो–रिक्शा चालकों ने आरोपियों को बिग बी, आमिर खान, अक्षय कुमार और सलमान खान जैसी कई बॉलीवुड हस्तियों के घरों तक पहुंचाया था.इस खबर के बाद, आज 21 अक्टूबर को अमिताभ बच्चन ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लोगों से माफी मांगी और बताया कि वह कुछ दिनों तक अपने फैंस से रूबरू नहीं हो पाएंगे. बिग बी ने अपने पोस्ट की शुरुआत माफी से की है. उन्होंने लिखा है, 'क्षमा प्रार्थी हूं, कुछ दिनों के लिए आराम और संवरने का समय निकालने को कहा गया है सो कुछ लिख नहीं पा रहा हूं.'सुपरस्टार के इस पोस्ट के बाद फैंस थोड़े चिंतित हो गए हैं. हालांकि उन्होंने सुपरस्टार का समर्थन किया है. एक फैन ने लिखा है, 'जीवन में आराम बहुत ही अवश्यक है . आप भरपूर एनर्जी के साथ वापसी कीजिए सर. ईश्वर आपको लंबी आयु और अच्छी सेहत प्रदान करे .' एक ने लिखा है, 'अपनी सेहत से जरूरी कुछ नहीं आराम कीजिये ईश्वर आपको 100 साल की उम्र तक जिंदा रखे.' एक दूसरे फैन ने लिखा है, आराम कीजिए सर, सेहत सबसे पहले, रोज के ब्लॉग की आदत हो गई है. इंतजार रहेगा.'आईएएनस के मुता. बिक, आरोपी मुंबई में आने–जाने के लिए जिन ऑटो–रिक्शा का इस्तेमाल करते थे, उनके ड्राइवरों से वे बॉलीवुड स्टार्स के घर दिखाने के लिए कहते थे. आरोपियों ने ड्राइवरों से कहा कि पे इन सेलिब्रिटीज के घरों की तस्वीरें लेना चाहते हैं. इसके बाद, अलग–अलग ऑटो–रिक्शा ड्राइवर उन्हें कई एक्टर्स के घरों तक ले गए. इस दौरान, एक ऑटो–रिक्शा ड्राइवर ने आरो. पियों को बताया कि बॉलीवुड स्टार जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ हर रविवार को फुटबॉल खेलने के लिए जुहू के एक फुटबॉल ग्राउंड में आते हैं.इस जानकारी के बाद, 11 अक्टूबर को आरोपी उस फुटबॉल ग्राउंड पर पहुंचे, लेकिन उस दिन टाइगर श्रॉफ वहां नहीं आए. इसके अगले रविवार, 18 अक्टूबर को आरोपी फिर से उसी ग्राउंड पर पहुंचे. इस बार उनके पास हथियार थे. इसीलिए उन्होंने बिना देरी किए टाइगर की गाड़ी पर फायरिंग कर दी.पुलिस के अनुसार, उसी दौरान हरियाणा से कुछ और लोग भी मुंबई आए थे. बताया जा रहा है कि हरियाणा लौटने से पहले उन्होंने इलाके की रेकी (निगरानी) की थी. टाइगर पर हमले के बाद मुंबई से निकलते समय आरोपियों ने दोना. हथियारों को किसी अनजान जगह पर फेंक दिया.पुलिस सूत्रों के मुता. बिक, हमलावरों ने इस हमले में एक विदेशी पिस्तौल और एक देसी

'जेलर 2' में मोहनलाल के क्लाइमैक्स सीन पर बवाल क्यों? बॉडी डबल ने बताई पूरी हकीकत, बोला– मेरे बस...'

हैदराबादः रजनीकांत स्टारर एक्शन कॉमेडी जेलर 2 इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है. फिल्म ने महज छह दिनों में वर्ल्डवाइड 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं, इस वीकेंड भी फिल्म धमाल करती नजर आ रही है. लेकिन धमाल के साथ–साथ फिल्म को लेकर बवाल भी मचा हुआ है. फिल्म में कई स्टार्स के कैमियो हैं, जिसमें से एक साउथ सुपरस्टार मोहनलाल का नाम भी शामिल है. फिल्म में ऋतिक रोशन का भी दमदार कैमियो है. रजनीकांत के साथ–साथ फिल्म के कैमियो स्टार्स की परफॉर्मेंस पर भी तालियां बज रही हैं. मगर दूसरी तरफ मोहनलाल का कैमियो विवादों में आ गया है. फिल्म में मोहनलाल के बॉडी डबल को लेकर कुछ विवाद चल रहा है. अब इस मुद्दे पर खुद मो. हनलाल के बॉडी डबल ने चुप्पी तोड़ी है.जेलर 2 में मोहनलाल के बॉडी डबल जॉबी कोडाकारा हैं, जिन पर कुछ सीन फिल्माए गए हैं. जॉबी ने जेलर 2 की रिलीज के ी हकीकतअब जॉबी ने एक यूट्यूब चौनल को इंटरव्यू दिया है. इस इंटरव्यू में उन्होंने इस हंगामे पर चुप्पी तोड़ी है. जॉबी के अनुसार, जेलर 2 में उनका रोल बहुत लिमिटेड था. उन्होंने बस कुछ ही शॉट्स दिए हैं. जॉबी ने कहा, 'मेरे बस दो शॉट्स ही लिए गये हैं और उन सीन में मेरे हाथ और पैर ही दिख रहे हैं. ये सीन क्लाइमैक्स के सीन से मिलते हैं. एक सीन में गाड़ी चलाते वक्त गियर बदल रहा हूं और दूसरा एक्सीलेटर के पास मेरा सीन है. मैं क्या हर कोई जानता है कि मोहनलाल एक सुपरस्टार हैं दिन मोहनलाल के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की थीं. इन तस्वीरों को देखने के बाद अटकलें लगीं कि मोहनलाल के सीन उनके बॉडी डबल ने किए हैं. यहां तक कि इन सीन में क्लाइमैक्स को भी शामिल किया जा रहा है. इसे लेकर ही सारा विवाद बताया जा रहा है. कहा जा रहा है कि फिल्म में मो. हनलाल नहीं बल्कि उनका बॉडी डबल दिखाया गया है.जॉबी ने बताई पूरी हकीकतअब जॉबी ने एक यूट्यूब चौनल को इंटरव्यू दिया है. इस इंटरव्यू में उन्होंने इस हंगामे पर चुप्पी तोड़ी है. जॉबी के अनुसार, जेलर 2 में उनका रोल बहुत लिमिटेड था. उन्होंने बस कुछ ही शॉट्स दिए हैं. जॉबी ने कहा, 'मेरे बस दो शॉट्स ही लिए गये हैं और उन सीन में मेरे हाथ और पैर ही दिख रहे हैं. ये सीन क्लाइमैक्स के सीन से मिलते हैं. एक सीन में गाड़ी चलाते वक्त गियर बदल रहा हूं और दूसरा एक्सीलेटर के पास मेरा सीन है. मैं क्या हर कोई जानता है कि मोहनलाल एक सुपरस्टार हैं और अगर यह सीन लिए गये हैं तो शेड्यूल ना मिलने की वजह से लिए

'न्कजं ज्ममत' ज्तंपसमतः पाकिस्तानी जासूस बना हिंदुस्तानी देशभक्त, हंस–हंसकर लोटपोट कर देगी आयुष्मान खुराना–सारा की फिल्म का ट्रेलर

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी स्पाई कॉमेडी फिल्म 'उड़ता तीर' दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है. बुधवार, 23 सितंबर को फिल्म का मजेदार ट्रेलर जारी किया गया है. यह फिल्म कॉमेडी, एक्शन और जासूसी का एक मजेदार मिश्रण होने का वादा करती है, जिसमें आयुष्मान का किरदार एक मिशन में फंस जाता है.धर्मा प्रोडक्शन ने 23 सितंबर को उड़ता तीर का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, 'पेश है जबरदस्त कॉमेडी. ऐसी जो पहले कभी नहीं देखी. तैयार हो जाइए. क्योंकि यह मिशन एक रोलरकोस्टर राइड जैसा है.'

'उड़ता तीर' का ट्रेलर

'उड़ता तीर' के ट्रेलर की शुरुआत पाकिस्तान के मिलिट्री ऑफिस से होता है. वॉयज ओवर में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हिंदुस्तानी एक के एक जासूस पाकिस्तान में भेज रहा है. लेकिन अब पाकिस्तान, हिंदुस्तान में अपना जासूस भेजेगा. 3 मिनट 18 सेकंड के इस ट्रेलर में आयुष्मान खुराना को बिलाल अहमद के तौर पर दिखाया गया है, जो एक पाकिस्तानी जासूस है और उसे एक मिशन पर भारत भेजा जाता है. लेकिन, एक धमाके में बिलाल की याददाश्त चली जाती है और कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है. अपनी पहचान को लेकर उलझन में रहने के बाद, आखिरकार

कोलकाता दुर्गा पूजा भगदड़ः कंगना रनौत, सोनू सूद ने 19 लोगों की मौत पर जताया शोक, एक्ट्रेस ने की अपील, बोलीं– भीड़भाड़ से बचें

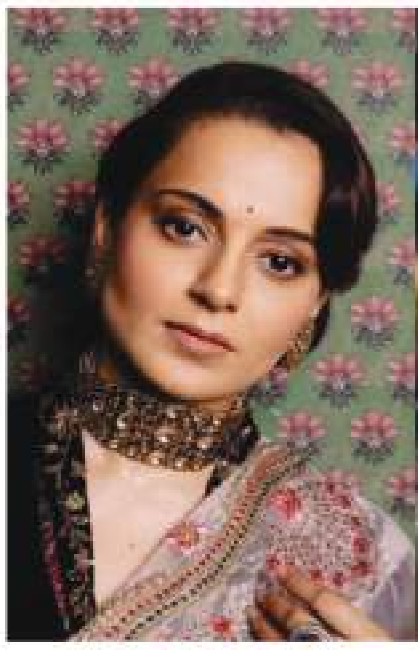

बॉलीवुड एक्ट्रेस बीजेपी सांसद कंगना रनौत और एक्टर सोनू सूद ने कोल. काता के एक दुर्गा पूजा पंडाल में हुई जानलेवा भगदड़ पर दुख जताया है. इस हादसे में लगभग 19 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए. कंगना रनौत ने लोगों से अपील की है कि वे भीड़–भाड़ वाली जगहों पर सावधानी बरतें, खासकर अब जब दशहरा और दिवाली आने वाली हैं. कोलकाता के चोरबागन दुर्गा पूजा पंडाल में हुई दुखद भगदड़ की घटना पर फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारा. ने गहरा दुख जताया है. उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की. इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना रनौत ने इसे अत्यंत दुखद बताया और उस शोक के बारे में बात की जो ऐसे समय में छाया है, जो आमतौर पर जश्न का समय होता है.मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, देखिए ये बहुत ही दुखद घटना है और वहां भगदड़ मच गई. मैं बता नहीं सकती कि त्योहारों का यह मौसम, जो आमतौर पर हर जगह खुशियों और जश्न से भरा होता है, अब किवाली जगहों पर जाने से बचें. आगे और भी त्योहार आ रहे हैं, दशहरा आ रहा है और दीवाली भी आ रही है.वहीं, सोनू सूद ने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट करते हुए मृतकों और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने लिखा है, कोलकाता भगदड़ में हुई जान–हानि से गहरा दुख हुआ है. जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवे. दनाएं. घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं.'क्या है मामला?शनिवार को कोलकाता में दुर्गा पूजा के चोर बागान में सप्तमी (त्योहार के सातवें दिन) की शाम करीब 7:30 बजे भगदड़ मच गई. उस समय भीड़ एक संकरी गली से होकर गुजर रही थी. भारी बारिश के कारण सड़कें फिसलन भरी हो गई थीं. हावड़ा ब्रिज से 2 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित चोर बागान कोल. काता के सबसे पुराने दुर्गा पूजा पंडालों में से एक है. चश्मदीदों ने बताया कि बारिश से बचने के लिए लोग उस संकरी गली से होते हुए पंडाल की ओर भाग. कुछ ही पलों में कई लोग फिसल गए और एक–दूसरे के ऊपर गिर पड़े, जिससे भगदड़ मच गई. इस घटना के सिलसिले में अब तने ही लोगों के लिए शोक का समय बन गया है.उन्होंने प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और जनता से अपील की कि वे भीड़–भाड़ वाले कार्यक्रमों में सतर्क रहें. उन्होंने आगे कहा, 'हम प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं. हम लोगों से विनती करते हैं कि वे बहुत अधिक धक्का–मुक्की और भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें. आगे और भी त्योहार आ रहे है, दशहरा आ रहा है और दीवाली भी आ रही है. 'वहीं, सोनू सूद ने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट करते हुए मृतकों और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने लिखा है, कोलकाता भगदड़ में हुई जान–हानि से गहरा दुख हुआ है. जिन परिवारा. ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं. घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं.'क्या है मामला?शनिनार को कोल. काता में दुर्गा पूजा के चोर बागान में सप्तमी (त्योहार के सातवें दिन) की शाम करीब 7:30 बजे भगदड़ मच गई. उस समय भीड़ एक संकरी गली से होकर गुजर रही थी. भारी बारिश के कारण सड़कें फिसलन भरी हो गई थीं. हावड़ा ब्रिज से 2 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित चोर बागान कोलकाता के सबसे पुराने दुर्गा पूजा पंडालों में से एक है. चश्मदीदों ने बताया कि बारिश से बचने के लिए लोग उस संकरी गली से होते हुए पंडाल की ओर भाग. कुछ ही पलों में कई लोग फिसल गए और एक–दूसरे के ऊपर गिर पड़े, जिससे भगदड़ मच गई. इस घटना के सिलसिले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से ज्यादातर पंडाल के आयोजक हैं.

published by KALIDINDI SUMALATHA from 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA - 500020. on behalf of RS USAR PUBLICATIONS, edited by RAGHURAMA RAJU KALIDINDI and printed by KALIDINDI SUMALATHA at KING DIGITAL OFFSET PRINTERS, 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA – 500020. PRGI NO: TGHIN/26/A7665, Email: rsusarp@myyahoo.com, 9849350555, 9515121467